शब्दबाणों का प्रहार

नागपुर, गुरूवार 3 अप्रैल 2025

@ www.rashtrabaan.in

। पृष्ठ :8 ।वर्ष :2 ।अंक : 159। मूल्य:₹ 5

राष्ट्रबाण

।। धर्मो रक्षति रक्षितः ।।

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय दैनिक

वक्फ संशोधन बिल लोकसभा में पास

वक्फ का नाम 'UMEED'

नई दिल्ली. वक्फ संशोधन बिल लोकसभा में पास हो गया है. अब इसे गुरुवार को संसद के उच्च सदन (राज्यसभा) में पेश किया जाएगा. इस बिल को जेपीसी में हुई लंबी चर्चा और रायशुमारी के बाद बुधवार को इसे संसद के निचले सदन (लोकसभा) में पेश किया गया था, जिस पर लंबी चर्चा और हंगामा हुआ. विपक्ष ने बिल को असंवैधानिक करार दिया. एआईए-मआईएम मुखिया और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने तो विरोध करते हुए बिल की कॉपी सदन में फाड़ दी. इससे पहले गृह मंत्री अमित शाह ने सदन में बोलते हुए विपक्ष पर जमकर निशाना साधा. मोदी सरकार ने बुधवार को लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया. इस पर आधी रात तक लगभग 12 घंटे तक चर्चा हुई.

समर्थन में पड़े 288 वोट

लोकसभा में वक्फ संशोधन बिल पर वोटिंग हुई. स्पीकर ओम बिरला ने बताया कि इस बिल के समर्थन में 288 और 232 वोट विरोध में पड़े.

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में कहा कि वक्फ एक्ट और वक्फ बोर्ड 1995 में लागू हुआ था, और गैर-मुस्लिमों की भागीदारी को लेकर जो भी दावे किए जा रहे हैं, वे पूरी तरह से गलत हैं. उन्होंने कहा कि विपक्ष इस देश को तोड़ना चाहता है. उन्होंने कहा कि 'मैं देश के मुसलमानों से कहना चाहता हूं कि आपके वक्फ में एक भी गैर-मुस्लिम नहीं आएगा. इस अधिनियम में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, लेकिन वक्फ बोर्ड और वक्फ काउंसिल अब वक्फ की संपत्ति बेचने वालों को पकड़कर बाहर निकालेंगे, वक्फ के नाम पर अपनी संपत्ति को 100 साल के लिए पट्टे पर देने वालों को पकड़ेंगे. वक्फ की आय कम हो रही है, जिस आय से हमें अल्पसंख्यकों के लिए विकास करना है और उन्हें आगे बढ़ाना है, जो पैसा चोरी हो रहा है. वक्फ बोर्ड और काउंसिल उसे पकड़ेंगे. अमित शाह ने कहा कि कुछ लोग ये अफवाह फैला रहे हैं कि इस एक्ट से मुस्लिम समुदाय के धार्मिक अधिकारों और उनकी संपत्तियों में दखल दिया जाएगा. यह पूरी तरह से गलत है और महज अल्पसंख्यकों को डराने की एक साजिश है, ताकि उन्हें वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया जा सके.

'धार्मिक कामों में सिर्फ मुस्लिम ही रहेंगे'

अमित शाह ने कहा कि यूपीए सरकार के दौरान 2013 में जब वक्फ बिल बदला गया, उस गलती को दूर करने के लिए वक्फ संशोधन बिल 2024 लाया गया. 2013 में तत्कालीन यूपीए सरकार द्वारा वक्फ बिल को बदले जाने का जो कानून लाया गया था, उसके बाद 21 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त जमीन पर दावा ठोका गया. हालांकि कुल जमीन जिस पर दावा ठोका गया है वह 30 लाख हेक्टेयर से ज्यादा है. उन्होंने कहा कि देशभर में एक भी मुसलमान का हक नहीं छीना जाएगा. इस बिल के आने के बाद वक्फ के प्रशासनिक कामकाज में कोई भी रह सकता है, लेकिन धार्मिक कामों में सिर्फ मुस्लिम ही रहेंगे.

कानून भारत सरकार का है, इसे मानना होगा

शाह ने कहा- आपके हिसाब से चर्चा नहीं होगी. इस सदन में हर सदस्य बोलने के लिए स्वतंत्र है. किसी परिवार की नहीं चलती है, जनता के नुमाइंदे हैं और चुनकर आए हैं. कोई भी फैसला देश की अदालत की पहुंच से बाहर नहीं रखा जा सकता. जिसकी जमीन हड़प ली गई वो कहां जाएगा. आपने अपने फायदे के लिए किया था और हम खारिज करते हैं. एक सदस्य ने कह दिया कि यह माइनॉरिटीज स्वीकार नहीं करेगी. क्या धमकी दे रहे हो भाई. संसद का कानून है, स्वीकार करना पड़ेगा. यह कानून भारत सरकार का है और इसे आपको स्वीकार करना होगा.

लालू की इच्छा मोदी ने पूरी की

शाह ने कहा- 2013 में लालू प्रसाद जी कहा था- सरकार ने संशोधन विधेयक किया. उसका स्वागत है. आप देखिए सारी जमीनें हड़प ली गई हैं. वक्फ में काम करने वाले लोग, प्राइम जमीन को वो बेच दिए हैं. पटना में ही डाक बंगला हड़प लिया. हम चाहते हैं कि आप भविष्य में कड़ा कानून लाइए और चोरी करने वालों को जेल में भेजिए.लालूजी की इच्छा इन्होंने तो पूरी नहीं की, मोदीजी ने पूरी कर दी.

'खाता न बही, जो वक्फ कहे वही सही'

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि वक्फ में संशोधन करने का समय आ गया है क्योंकि यह अत्याचार और भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है. इसे खत्म करने और संशोधित करने का समय आ गया है. भारत को वक्फ के डर से मुक्ति चाहिए क्योंकि कांग्रेस के शासन में बने वक्फ कानून का मतलब था खाता न बही, जो वक्फ कहे वही सही. भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर बोले- एक परिवार के चलते 1947 में एक विभाजन देखा है. आज जमीन का विभाजन नहीं होने देंगे. मोदीजी की सरकार में सिर्फ एक कानून और एक संविधान रहेगा. संदेश स्पष्ट है. एक हैं तो सेफ हैं.यह आस्था का विषय नहीं है. यह हिंदू बना मुस्लिम नहीं. संविधान बनाम भ्रष्टाचार है. कानून बनाम गैरकानूनी है.

इससे 'उम्मीद' की भावना जागेगी

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया. इस दौरान रिजिजू ने विधेयक को लेकर विस्तार से जानकारी दी और इसके नए नाम का भी एलान किया. उन्होंने कहा, 'हमने जो वक्फ (संशोधन) विधेयक पेश किया है, उसमें जेपीसी की कई सिफारिशें शामिल हैं, जिन्हें हमने स्वीकार कर लिया है और इस विधेयक में शामिल कर लिया है. यह कहना गलत है कि जेपीसी की सिफारिशें इस विधेयक में शामिल नहीं की गई हैं. इस विधेयक का एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहलू नई संरचित प्रणाली है. वक्फ विधेयक का नाम बदलकर एकीकृत वक्फ प्रबंधन सशक्तीकरण, दक्षता और विकास (यूएमईईडी) विधेयक कर दिया गया है. इससे 'उम्मीद' की भावना जगेगी.'

इतनी बड़ी भाजपा, अध्यक्ष नहीं चुन पा रहीः अखिलेश

लोकसभा में बुधवार को वक्फ संशोधन बिल पर चर्चा के दौरान समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा अध्यक्ष के चुनाव में हो रही देरी पर तंज कसा.

अखिलेश ने कहा- भाजपा में एक मुकाबला चल रहा है कि कौन बड़ा है. जो पार्टी यह कहती हो कि वह दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है, वह यह नहीं तय कर पा रही कि पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा. इस पर गृह मंत्री अमित शाह अपनी सीट से उठे और हंसते हुए कहा- सामने जितनी पार्टियां हैं, उनका राष्ट्रीय अध्यक्ष सिर्फ 5 लोगों को चुनना है, परिवार को. हमारे यहां करोड़ों लोग हैं. समय तो लगेगा ही. अखिलेश जी ने यह बात हंसते हुए कही, इस वजह से मैं भी हंसते हुए कह रहा हूं. आपके (अखिलेश के) यहां जरा भी देर नहीं लगेगी. मैं कहता हूं आप 25 साल तक अध्यक्ष हो.. जाओ... इसके बाद अखिलेश ने हंसते हुए फिर कहा- अभी जो यात्रा हुई है नागपुर की और गुपचुप जो सोशल मीडिया पर चल रही है. वह 75 साल के एक्सटेंशन की यात्रा तो नहीं है. प्रधानमंत्री मोदी 30 मार्च को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यक्रम में शामिल होने नागपुर गए थे. अखिलेश का इशारा इसी दौरे को लेकर था.

पाकिस्तान की घुसपैठ की कोशिश नाकाम

कृष्णा घाटी की घटना : LoC पर सेना ने 5 घुसपैठिए मार गिराए

श्रीनगर. भारतीय सेना ने एक बार फिर पाकिस्तान को घुटनों पर ला लिया है. मंगलवार को पाकिस्तानी सेना ने जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में घुसपैठ की कोशिश की है. हालांकि, भारतीय सेना ने पाकिस्तान की कोशिशों को नाकाम कर दिया. सूत्रों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में पाकिस्तानी सेना द्वारा घुसपैठ की कोशिश की तो भारतीय सेना ने जवाबी गोलीबारी की, जिसमें 4-5 घुसपैठियों को मार गिराया. सेना ने बताया कि पुंछ जिले के कृष्णा घाटी इलाके में घुसपैठ की कोशिश की गई है.

पाक ने किया संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन

मंगलवार को पाकिस्तानी सैनिकों और घुसपैठियों ने गोलीबारी की, जिसके बाद भारतीय सेना ने जवाबी कार्रवाई की. सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तानी साइड को भारी नुकसान हुआ है. हाल के महीनों में यह पहली बार है जब सेना ने पाकिस्तान द्वारा संघर्ष विराम उल्लंघन की पुष्टि की है. इस साल फरवरी की शुरुआत में कृष्णा घाटी सेक्टर में इसी तरह की क्रॉस-फायरिंग की घटनाएं सामने आई थीं. भारतीय सेना ने कहा कि हमारी तरफ से जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ है. पूरे दिन रुक-रुक कर गोलीबारी जारी रही और भारतीय सेना कृष्णा घाटी क्षेत्र में पूरी तरह अलर्ट मोड में है.

नियंत्रण रेखा पर गोलीबारी की घटनाओं में वृद्धि

पिछले दो महीनों में दक्षिणी पीर पंजाल क्षेत्र में नियंत्रण रेखा पर सीमा पार से गोलीबारी की घटनाओं में तेजी से वृद्धि हुई है, जिसमें पाकिस्तान द्वारा स्नाइपिंग, गोलीबारी और बॉर्डर एक्शन टीम (BAT) के प्रयास शामिल हैं. भारतीय सेना के सूत्रों ने संकेत दिया है कि इन घटनाओं से स्थानीय स्तर पर तेजी से और प्रभावी ढंग से निपटा जा रहा है. पाकिस्तान संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन करना जारी रख रहा है. सेना के सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तानी सेना और आतंकवादियों ने जम्मू-कश्मीर के कृष्णा घाटी सेक्टर में घुसपैठ की कई असफल कोशिशें की हैं, जिसमें उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ा है. फरवरी के पहले सप्ताह के दौरान पाकिस्तानी सैनिकों ने नियंत्रण रेखा पर छोटे हथियारों से गोलीबारी की और विस्फोटकों का विस्फोट किया, जिसके बाद भारतीय सेना ने कड़ी जवाबी कार्रवाई की. भारत द्वारा पाकिस्तान के साथ इस मुद्दे को उठाए जाने के बावजूद सीमा पार से अशांति बनी हुई है.

पाक सेना ने की गोलीबारी

रक्षा प्रवक्ता ने कहा, 1 अप्रैल को एलओसी के पार पाकिस्तानी सेना की घुसपैठ के कारण कृष्णा घाटी सेक्टर में एक माइन ब्लास्ट हुआ. इसके बाद पाकिस्तानी सेना द्वारा बिना उकसावे के गोलीबारी की गई और संघर्ष विराम का उल्लंघन किया गया. हमारे सैनिकों ने नियंत्रित और संतुलित तरीके से प्रभावी ढंग से जवाब दिया. स्थिति नियंत्रण में है और इस पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है.

गुजरात में जगुआर फाइटर प्लेन क्रैश

जामनगर. गुजरात के जामनगर में के बाहरी इलाके में बुधवार देर रात फाइटर प्लेन क्रैश हो गया है. घटना कालावड रोड पर सुवरदा गांव के पास हुई. क्रैश में एक पायलट की मौत हुई है. एक घायल है. क्रैश के बाद प्लेन कई टुकड़ों में बंट गया. उसमें आग लग गई. क्रैश वाली जगह पर ग्रामीण, पुलिस और प्रशासन मौजूद है.

1 पालयट की मौत, दूसरा गंभीर घायल

इससे पहले 7 मार्च को हरियाणा के पंचकूला में तकनीकी खराबी के एयरफोर्स का जगुआर फाइटर जेट क्रैश हुआ था. फाइटर जेट ने अंबाला एयरबेस से ट्रेनिंग के लिए उड़ान भरी थी. इस हादसे में पायलट जेट से सुरक्षित बाहर निकलने में कामयाब हुआ था. इसी दिन पश्चिम बंगाल के बागडोगरा में वायुसेना का परिवहन विमान रूसी मूल का एएन-32 लैंडिंग के बाद क्रैश हुआ था.

मंडला में पुलिस-नक्सली मुठभेड़

2 महिला नक्सली ढेर

दोनों पर 14-14 लाख का इनाम था; एक एसएलआर और एक भरमार बंदूक मिली

मंडला. मध्यप्रदेश के मंडला जिले में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है. अधिकारियों के मुताबिक, इसमें दो महिला नक्सली मारी गई हैं. मुठभेड़ बुधवार सुबह करीब 6 बजे बिछिया थाना क्षेत्र के मुंडिदादर और गन्हेरिदादर के जंगल में हुई. सर्चिंग के दौरान मुठभेड़ स्थल से एक एसएलआर, एक भरमार बंदूक, वायरलेस सेट और दैनिक जरूरत का सामान मिला है. पुलिस के मुताबिक, मारी गई नक्सलियों में से एक छत्तीसगढ़ और दूसरी महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले की रहने वाली है. दोनों पर 14-14 लाख रुपए का इनाम घोषित था.

बालाघाट में मार गिराई थीं 4 महिला नक्सली

इससे पहले 19 फरवरी को बालाघाट के गढ़ी थाना इलाके में हुई मुठभेड़ में चार महिला नक्सली मारी गई थी. ये सभी कान्हा भोरमदेव एबी डिवीजन खटिया मोर्चा दलम की सदस्य थी. इनमें से एक आशा पर 14 लाख का इनाम था.

बटलर और सुदर्शन के तूफान में उड़ी RCB

गुजरात ने 8 विकेट से जीता मैच

नई दिल्ली. आईपीएल 2025 के 14वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) को 8 विकेट से करारी शिकस्त झेलनी पड़ी. गुजरात टाइटन्स (GT) की टीम ने 18वें ओवर में ही आरसीबी के 170 रनों के लक्ष्य को हासिल कर लिया. आरसीबी अपने घरेलू मैदान पर इस सीजन का पहला मैच खेल रही थी. जिसमें उसे हार का सामना करना पड़ा. गुजरात की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी. आरसीबी की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट खोकर 169 रन बनाए थे. 170 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात की टीम ने 17.5 ओवर में ही इसे चेज कर लिया. आरसीबी बिना बदलाव के मैदान पर उतरी थी. जबकि गुजरात में एक बदलाव हुआ है. कगिसो रबाडा बाहर हुए हैं और उनकी जगह अरशद खान को जगह दी गई थी.

पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी की शुरुआत बेहद खराब रही. दूसरे ही ओवर में आरसीबी को विराट कोहली के रूप में पहला झटका लगा.कोहली केवल 7 रन बनाकर अरशद खान का शिकार हुए. इसके बाद तीसरे ही ओवर में देवदत्त पडिक्कल को सिराज ने बोल्ड किया. फिर 5वें ओवर में खतरनाक दिख रहे फिल सॉल्ट को सिराज ने आउट किया.

अंतरिक्ष गुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन जाने की तारीख आई सामने

अंतरिक्ष में नया इतिहास रचेगा भारत

नई दिल्ली. अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत नया इतिहास रचने जा रहा है. ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला Axiom Mission 4 (Ax-4) के तहत इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (ISS) की यात्रा करने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री बनने वाले हैं. अब इस मिशन के लॉन्च की तारीख सामने आई है जिसे नासा के फ्लोरिडा स्थित कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया जाएगा. वायुसेना के पायलट हैं शुभांशु भारतीय अंतरिक्ष यात्री जो गगनयान मिशन का भी हिस्सा हैं, मई 2025 में कैनेडी स्पेस सेंटर से स्पेश स्टेशन के लिए रवाना होंगे. यह मिशन इंटरनेशन स्पेस रिसर्च में भारत की भागीदारी में एक अहम कदम है. भारतीय वायुसेना (IAF) के अनुभवी पायलट शुभांशु स्पेसएक्स ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट पर मिशन पायलट के रूप में काम करेंगे. वह भारत के महत्वाकांक्षी गगनयान ह्यूमन स्पेस फ्लाइट प्रोग्राम के लिए नॉमिनेट हुए अंतरिक्ष यात्री भी हैं. एक्स-4 मिशन का नेतृत्व नासा की पूर्व अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन करेंगी और पोलैंड से सावोज़ उज़नांस्की-विस्नीवस्की और हंगरी से टिबोर कापू मिशन एक्सपर्ट होंगे. इस 14 दिवसीय मिशन का मकसद माइक्रोग्रेविटी में वैज्ञानिक प्रयोग, एजुकेशनल आउटरीच और कमर्शियल एक्टीविटीज करना है. शुभांशु का प्लान अलग-अलग क्षेत्रों की कलाकृतियां लेकर जाने का है और वह अंतरिक्ष में योग मुद्राएं करके भारत की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करेंगे.

स्पेस तक प्राइवेट एस्ट्रोनॉट की पहुंच

शुभांशु शुक्ला की भागीदारी ग्लोबल स्पेस रिसर्च में भारत की बढ़ती भूमिका को दिखाती है, जो राकेश शर्मा के नक्शेकदम पर चल रही है, जिन्हें 1984 में अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय बनने का गौरव हासिल है. नासा, एक्सिओम स्पेस और इसरो के बीच सहयोग, पृथ्वी की लोअर ऑर्बिट तक प्राइवेट एस्ट्रोनॉट की बढ़ती पहुंच को दर्शाता है, जिससे स्थायी अंतरिक्ष रिसर्च का रास्ता तय होगा.

रीवा गैंगरेप केस के 8 दोषियों को उम्रकैद

5 महीने 12 दिन में फास्ट ट्रैक कोर्ट का फैसला

रीवा. रीवा के गुढ़ थाना क्षेत्र में पति को पेड़ से बांधकर महिला से गैंगरेप करने वाले 8 दोषियों को रीवा की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है. इसके साथ एक दोषी को 2 लाख 31 हजार और बाकी सभी पर 2 लाख 30 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है. जुर्माना नहीं भरने पर सजा की अवधि एक साल बढ़ जाएगी.

घटना 21 अक्टूबर 2024 की है. पीड़ित दंपती भैरव बाबा मंदिर के दर्शन करने पहुंचा था. मंदिर से कुछ दूरी पर शराब के नशे में धुत आठ युवकों ने पहले पति को

बंधक बनाया और उसकी बेरहमी से पिटाई की. इसके बाद, पति के सामने ही महिला से सामूहिक दुष्कर्म किया.

घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए थे. पीड़िता की शिकायत पर गुढ़ थाना पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की. अलग-अलग टीमों ने दबिश देकर सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया.

संपादकीय

अभिव्यक्ति की आजादी के फर्जी चैंपियन

कॉमेडियन कुणाल कामरा को गिरफ्तार करने के लिए मुंबई पुलिस कमर कसे हुए है.इसका पता इससे चलता है कि जब मद्रास उच्च न्यायालय ने उनके खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर पर सात अप्रैल तक गिरफ्तारी पर रोक लगा दी तो उनके खिलाफ तीन और एफआईआर दर्ज कर दी गईं.इन एफआईआर के दर्ज होने के बाद मुंबई पुलिस गत दिवस उनके आवास पर पहुंची.वह वहां नहीं थे.वह तमिलनाडु में थे।कामरा ने मुंबई पुलिस पर तंज कसते हुए कहा कि वह अपना समय बर्बाद कर रही है, क्योंकि पुलिस जिस पते पर पहुंची, वहां वह दस वर्ष से नहीं रह रहे हैं.मद्रास उच्च न्यायालय के फैसले के चलते मुंबई पुलिस पहली एफआईआर पर तो उन्हें गिरफ्तार नहीं कर सकती, लेकिन तीन नई एफ-आईआर पर ऐसा कर सकती है।यदि मुंबई पुलिस नई एफआईआर के सिलसिले में उनकी तलाश तेज करती है तो वह फिर से मद्रास उच्च न्यायालय या फिर सर्वोच्च न्यायालय जा सकते हैं.इसमें उन्हें कोई समस्या इसलिए नहीं आनी, क्योंकि भाजपा-शिवसेना के विरोधी कई राजनीतिक वकील उनका साथ देने के लिए तैयार होंगे.यह भी लगभग तय है कि यदि वह सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाते हैं तो उन्हें वहां से राहत भी मिल जाएगी।अभी तक यही देखने को मिलता रहा है कि यदि किसी के खिलाफ किसी एक मामले में कई एफआ-ईआर दर्ज होती हैं तो पीड़ित उन्हें एक साथ नत्थी करने की अपील लेकर सुप्रीम कोर्ट जाते हैं.उन्हें वहां से राहत मिल जाती है.कामरा को भी मिल जाए तो हैरानी नहीं.हैरानी इस पर होगी, यदि मुंबई पुलिस कामरा को गिरफ्तार करने पर अड़ी रहती है।पता नहीं इसमें उसे सफलता मिलती है या नहीं.यदि मिल भी जाती है तो आसार इसी के हैं कि उन्हें शीघ्र जमानत मिल जाएगी, क्योंकि उन पर मात्र यह आरोप है कि उन्होंने एक पैरोडी गाने के जरिये शिवसेना नेता और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का अपमान किया.इससे कुपित होकर कुछ शिवसैनिकों ने एक होटल में तोड़फोड़ की, जहां कामरा ने पैरोडी गाने की रिकार्डिंग की थी.यह पैरोड़ी गाना शिंदे को नीचा दिखाने वाला था.इसे ढंग की पैरोडी कहना कठिन है, लेकिन शिवसेना और भाजपा विरोधियों का वह बहुत भाया।यह कोई नई-अनोखी बात नहीं, क्योंकि जो कटाक्ष किसी को मनोरंजक लगता है, वही किसी अन्य को अपमानजनक.शिवसैनिकों को ऐसा ही लगा और वे अब भी कामरा को धमका रहे हैं और चूंकि शिवसेना महाराष्ट्र की सत्ता में है, इसलिए मुंबई पुलिस भी उनकी गिरफ्तारी को लेकर व्याकुल है.इसका नतीजा यह है कि कामरा को वे लोग भी जान गए, जिन्होंने उनका नाम तक नहीं सुना था।कुणाल कामरा के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई का संज्ञान कई विदेशी समाचार माध्यमों ने भी लिया.

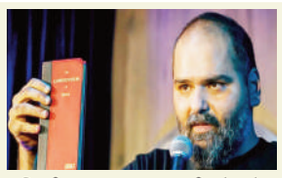

किसी दल या सरकार की ओर से ऐसे कॉमेडियनों के पीछे पड़ना एक तरह से उनका मुफ्त में प्रचार करना और खुद की फजीहत कराना ही है .यह काम अन्य सरकारें भी करती हैं .वे कभी किसी कटाक्ष पर किसी कॉमेडियन के पीछे पड़ जाती हैं और कभी सोशल नेटवर्क साइट्स पर अपने खिलाफ टिप्पणी करने वालों के .अधिकतर मामलों में ऐसे लोगों को अदालतों से राहत मिल जाती है, लेकिन कभी-कभार किसी को जेल में भी रहना पड़ता है और कई बार तो महीनों .ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि हर मामले में अदालतें तत्परता का परिचय नहीं देतीं।उद्धव ठाकरे के मुख्यमंत्री रहते नागपुर के एक युवक को मुंबई पुलिस ने 17 दिन के अंदर तीन बार गिरफ्तार कर जेल भेजा, क्योंकि उसने उनके एक करीबी को पेंग्विन कह दिया था .

जम्मू-कश्मीर में दम तोड़ता अलगाववाद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल में संसद को एक सुखद सूचना दी .उन्होंने बताया कि जम्मू-कश्मीर में अलगाववादी संगठन हुर्रियत कांफ्रेंस के कुछ धड़ों ने भारत के प्रति निष्ठावान रहने का निर्णय किया है .इन गुटों में कश्मीर के सबसे कट्टरपंथी और पाकिस्तानपरस्त समझे वाले नेता सैयद अली शाह गिलानी के राजनीतिक उत्तराधिकारी मोहम्मद शफी की पार्टी डेमोक्रेटिक पीपुल्स मूवमेंट भी शामिल है।यह परिवर्तन दर्शाता है कि कश्मीर के कट्टरपंथी अलगाववादी इस्लामिक गुटों पर अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद से की गई सख्ती के अपेक्षित परिणाम सामने आ रहे हैं . अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद सरकार ने हुर्रियत में शामिल कई अलगाववादी गुटों पर अवैध गतिविधि निवारण अधिनियम यानी यूएपीए के अंतर्गत प्रतिबंध लगा दिया था .

इसके साथ ही पाकिस्तान से और विभिन्न प्रकार की अवैध गतिविधियों से प्राप्त होने वाले काले धन के प्रवाह को रोकने के लिए भी कठोर कार्रवाई की गई।गत 12 मार्च को ही मीरवाइज उमर फारूक की अवामी एक्शन कमेटी पर प्रतिबंध लगाकर स्पष्ट संकेत दिया गया कि कश्मीर में अलगाववाद की कोई दुकान चलने नहीं दी जाएगी, चाहे उसे चलाने वाला कितना ही बड़ा नाम क्यों न हो.इस बीच अमित शाह ने कई बार दोहराया कि अनुच्छेद 370 की किसी भी सूरत में वापसी नहीं होने वाली.उनके और मोदी सरकार के इस संकल्प ने अलगाववादियों का मनोबल तोड़ने का काम किया है.इसका यह नतीजा निकला है कि राजनीतिक महत्वाकांक्षा रखने वाले कश्मीरी मुस्लिम नेताओं को समझ आ गया कि यदि राजनीतिक वजूद बनाए रखना है तो अलगाववादी राजनीति को छोड़ना ही होगा।मोदी सरकार की यह नीति मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार के एकदम उलट है.मनमोहन सरकार तो हुर्रियत के धड़ों में यही ढूंढ़ने का प्रयास करती थी कि उनमें नरम अल-

गाववादी कौन हैं.मनमोहन सरकार ने संभवतः उन्हें नरम अलगाववादी माना जो कश्मीर की आजादी का राग तो छेड़ते थे, परंतु सीधे तौर पर पाकिस्तान में शामिल होने की बात नहीं करते थे।मनमोहन सरकार ने कभी यह सोचा ही नहीं कि कश्मीर की आजादी कभी संभव नहीं हो सकती, क्योंकि भारत से अलग होते ही पाकिस्तान बलात उस पर कब्जा कर लेगा.नरम अलगाववाद को हवा देने वाली मनमोहन सरकार की इस विवेकशून्य नीति के दायरे में यासीन मलिक तक आ गए थे.यासीन मलिक वही दुर्दांत आतंकी था, जिसके हाथ वायु सेना अधिकारियों के खून से सने थे.उस दौर में ऐसे आतंकी की प्रधानमंत्री आवास पर मेहमान-नवाजी की जाती थी।जब भारत सरकार ही हुर्रियत के अलगाववादी नेताओं को कश्मीर पर चर्चा के लिए बुलाकर उन्हें कश्मीरियों के प्रतिनिधि के रूप में मान्यता देती थी तो पाकिस्तान भी द्विपक्षीय वार्ता में हुर्रियत को पक्ष बनाने की जिद करता था.दिलचस्प बात यह थी कि हुर्रियत चुनावों का बहिष्कार करती थी, फिर भी उसे कश्मीरियों का प्रतिनिधि माना जाता था।स्पष्ट है कि सड़कों पर दंगा-फसाद करने की हुर्रियत की क्षमता से ही उसे कश्मीरियों का प्रतिनिधि मान लिया गया था.इसके चलते भारत को गालियां देने और स्वयं को पाकिस्तानी बताने वाले सैयद अली शाह गिलानी जैसे हुर्रियत नेताओं की दिल्ली में खूब आवभगत होती रही.उनका इलाज भी भारत के बेहतरीन अस्पतालों में कराया जाता था.उनके बच्चों की पढ़ाई भी नामी-गिरामी देसी-विदेशी संस्थानों में होती रही।अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद हुर्रियत के वे सुनहरे दिन लद गए.अब हुर्रियत के राष्ट्रविरोधी नेताओं को जेल में रहना पड़ रहा है या फिर भारत के प्रति निष्ठावान रहने की कसमें खानी पड़ रही हैं.यह सब साबित करता है कि दशकों तक इन अलगाववादियों को लेकर अपनाई लचर नीतियों ने ही कश्मीर में अलगा-ववाद को मजबूत किया था।इस आलोक में पूर्ववर्ती सरकारों की पाकिस्तान नीति की भी तुलनात्मक समीक्षा आवश्यक है.बार-बार भारत में आतंकी हमले कराने के बावजूद पाकिस्तान से बात इसलिए की जाती थी, क्योंकि सरकारें कहीं न कहीं मानती थीं कि पाकिस्तान में ही यह क्षमता है कि वह हुर्रियत और जिहादी आतंकी संगठनों के जरिये जब चाहे कश्मीर को अस्थिर कर सकता है।लिहाजा उससे बात करते रहना आवश्यक है.ऐसा करने पर होता यह था कि द्विपक्षीय वार्ता शुरू करने के कुछ समय बाद ही पाकिस्तान वार्ता की मेज पर दबाव बनाकर लाभ हासिल करने के लिए और बड़े आतंकी हमले कराता था.यह दुष्चक्र दशकों से अनवरत चल रहा था.मोदी सरकार ने उड़ी आतंकी हमले के बाद से इसके ठीक विपरीत नीति अपनाते हुए पाकिस्तान से केवल बातचीत ही बंद नहीं की, बल्कि सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक जैसे कदम उठाने से भी परहेज नहीं किया.

पेंशन से जुड़ी परेशानियां...

श्रम, वस्त्र और कौशल विकास से संबंधित स्थायी समिति ने केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के लिए वित्त वर्ष 2025-26 की अनुदान मांगों पर अपनी रिपोर्ट में, बिल्कुल उचित ही दोहराया है कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपी-एफओ) के तहत सदस्य-पेंशनभोगियों के लिए 1,000 रुपये की न्यूनतम मासिक पेंशन को संशोधित किये जाने की तत्काल जरूरत है. कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) के तहत अगस्त 2014 में तय की गयी इस राशि में एक दशक से ज्यादा समय से कोई बदलाव नहीं हुआ है. यह विडंबना है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-नीत सरकार साल 2014 में पेंशन वृद्धि का श्रेय लेती रहती है, हालांकि उसने बस उस निर्णय को लागू किया जिसका एलान पूर्ववर्ती कांग्रेस-नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) शासन ने किया था. पीछे जाएं तो, जब साल 2014 में यूपीए ने 1,000 रुपये की न्यूनतम पेंशन का प्रस्ताव रखा, तब विपक्ष... वर्तमान में, सरकार न्यूनतम पेंशन भुगतान के लिए औसतन 980 करोड़ रुपये सालाना आवंटित करती है.

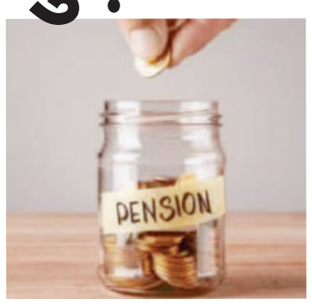

इसमें सार्थक बढ़ोतरी के लिए यह आंकड़ा कम-से-कम तीन गुना करना होगा. इसके अलावा, केंद्र ईपीएस कोष के लिए वेतन के 1.16 फीसदी का अंशदान करता है – इस राशि को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए संशोधित करके 9,250 करोड़ रुपये किया गया और वित्त वर्ष 2025-26 में इसके 10,000 करोड़ रुपये पार कर जाने की उम्मीद है. सरकार की दलील है कि वह और ज्यादा वित्तीय बोझ नहीं उठा सकती, लेकिन अतिरिक्त खर्च के प्रबंध के लिए व्यावहारिक सुझाव श्रम और वित्त मंत्रालयों तथा ईपीएफओ के पास जमा किये गये हैं. उच्च वेतन पर आधारित पेंशन का विकल्प चुनने वालों के आवेदनों के साथ ईपीएफओ जिस तरह पेश आ रहा है, वह भी उतना ही चिंताजनक है. कई आवेदकों को अब डिमांड नोटिस मिल रहे हैं जिनमें कई-कई लाख रुपये के अंशदान की जरूरत बतायी गयी है, लेकिन वे कितनी पेंशन राशि के हकदार होंगे और कितनी बकाया राशि (एरियर) मिलेगी, इस बारे में उन्हें अंधेरे में रखा गया है. कई मामलों में, आवेदकों को अपने ऑनलाइन खाते ट्रैक करने पर निर्भर रहना पड़ा है, क्योंकि ईपीएफओ कोई आधिकारिक सूचना जारी करने में नाकाम रहा है. स्पष्टता प्रदान करने के बजाय, आवेदकों से उम्मीद की जा रही है कि वे उस पोर्टल-आधारित कैलकुलेटर से अपनी संभावित पेंशन राशि की गणना करें जो डिस्क्लेमर के साथ आता है और सटीकता का कोई वादा नहीं करता. छूट-प्राप्त प्रतिष्ठानों से आने वाले सदस्य-पेंशनभोगियों के लिए स्थिति और भी खराब है. इनके प्राधिकारियों ने उच्च पेंशन के लिए आवेदनों को झटपट खारिज कर दिया है और पूर्व में मंजूर उच्च पेंशनों को भी बिना कोई उचित कारण बताये रोक दिया है. केंद्र सरकार को विभिन्न हितधारकों के साथ व्यापक सलाह-मशविरा शुरू करना चाहिए.

होसबोले का बयान संघ के पिछले स्टैंड से उलट

RSS के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले का यह कहना कि स्वयंसेवक अगर मथुरा और काशी से जुड़े आंदोलनों में भाग लेते हैं, तो संगठन को आपत्ति नहीं होगी, संघ के पिछले स्टैंड से उलट है. होसबोले ने हालांकि सामाजिक कलह से बचने की बात कही और यह भी साफ किया कि संघ ऐसे किसी आंदोलन का हिस्सा नहीं बनेगा. लेकिन, उनकी बातें विरोधाभासों से भरी लगती हैं और इससे सामाजिक समरसता बनाने में कोई मदद नहीं मिलेगी. भागवत से अलग होसबोले ने 1984 का हवाला दिया कि उस समय विश्व हिंदू परिषद (VHP) और साधु-संतों ने तीन मंदिरों का मुद्दा उठाया था. अब जब वह कह रहे हैं कि संघ काशी, मथुरा के मंदिरों का मुद्दा उठाने पर आपत्ति नहीं करेगा तो जाहिर है, इसका यह मतलब निकाला जाएगा कि उन्होंने अपने स्वयंसेवकों को इजाजत दे दी है. यह संघ प्रमुख मोहन भागवत के उस रूख से बिल्कुल अलग है, जिसमें उन्होंने कहा था कि हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग तलाशना सही नहीं है, और यह भी कि अब कोई आंदोलन नहीं होगा. असमंजस बढ़ाने वाला भागवत ने पिछले साल दिसंबर में भी मस्जिदों को लेकर उठ रहे विवाद को शांत करने का प्रयास किया था. तब उन्होंने कहा था कि, 'राम मंदिर निर्माण के बाद कुछ लोगों को लगता है कि वे नई जगहों पर इसी तरह के मुद्दों को उठाकर हिंदुओं के नेता बन सकते हैं. यह स्वीकार्य नहीं है. जब संघ प्रमुख ने एक स्पष्ट रेखा खींच दी थी, तय होसबोले का बयान असमंजस बढ़ाने वाला है. संघ कार्यकर्ता क्या समझें, कि उन्हें भागवत की लाइन पकड़नी है या होसबोले की ?[एक्ट की व्याख्याराम मंदिर निर्माण के बाद लगा था कि मंदिर-मस्जिद का मुद्दा खत्म हो जाएगा, लेकिन हर कुछ दिन बाद एक नई जगह विवादों की जद में आ जा रही है और यह सब हो रहा है. 1991 के होते हुए.इसकी वजह इस एक्ट की 2022 में की गई वह अतिरिक्त व्याख्या है, जो सुप्रीम कोर्ट ने की थी.तब शीर्ष अदालत ने कहा था कि किसी पूजास्थल का धार्मिक स्वरूप नहीं बदला जा सकता, लेकिन धार्मिक स्वरूप की जांच करने से कानून नहीं रोकता.जल्दी हो निपटाराकानून की इस अतिरिक्त व्याख्या ने विवादों की बाढ़ ला दी.

राशिफल

■ **मेष**: आपका दिन नई उमंगें लेकर आया है. काफी समय से किसी बात से परेशान लोग उसका समाधान ढूंढ लेंगे. लोगों के विचार और आपके बारे में बोली गई बातों के कारण आप मन ही मन उलझन में रहेंगे. इस राशि के स्टूडेंट अपनी पढ़ाई को लेकर उत्साहित होंगे और ज्यादा समय पढ़ाई में बीतेगा, यह देखकर आपके घर को ख़ुशी होगी.

■ **वृषभ**: आपका दिन बेहतरीन रहेगा. कारोबार में अपनी मेहनत से आगे बढ़ेंगे. कोई अच्छी खबर आपको मिलेगी. बच्चों के साथ समय बिताएंगे उनके मन की बातों को समझेंगे. काफी समय से आपके रिश्ते की बात चल रही थी वो जल्द पक्की होगी. आपके तय किए काम समय से पूरे होते हुए नजर आ रहे हैं साथ ही कुछ काम वक्त से पहले पूरे करने की वजह से प्रसन्नता होगी.

■ **मिथुन**: आपका दिन शानदार रहने वाला है. व्यक्तिगत जीवन की जिम्मेदारियों का निर्वाहन करेंगे. इस राशि के राजनीतिज्ञों को लोगों का समर्थन मिलेगा. लोग आपके कार्यों की तारीफ करेंगे. पारिवारिक रिश्तों में मजबूती आयेगी. आपके दांपत्य जीवन में सुख सौहार्द की वृद्धि होगी. कारोबार में सेल में बढ़ोतरी होगी जिससे अच्छी खासी इनकम होगी.

■ **कर्क**: आपका दिन ख़ुशी से भरा रहेगा. आपके कामों की गति धीमी रहेगी, लेकिन मित्रों के साथ आपके रिश्ते बेहतर रहेंगे. इसके साथ ही आप परिवार में सबको खुश रखने की कोशिश में लगे रहेंगे. आपको अच्छा लगेगा. आपके अंदर त्याग और सहयोग की भावना रहेगी. बेटी के परीक्षा के अच्छे रिजल्ट से पारिवारिक माहौल खुशनुमा बनेगा.

■ **सिंह**: आपका दिन खुशहाल रहने वाला है. इलेक्ट्रॉनिक्स के कारोबारियों को लाभ के योग बन रहे हैं. वैवाहिक जीवन में अपनापन बढ़ेगा. शाम का डिनर बाहर करेंगे. बच्चों के साथ आपसी लगाव बढ़ेगा. शिक्षकों के ट्रांसफर की परेशानियां खत्म होंगी. आप जहाँ चाहते हैं ट्रान्सफर वहीँ होगा. आर्थिक स्थिति में मजबूती आयेगी. व्यापार में सफलता के अनेक अवसर मिलेंगे.

■ **कन्या**: आपका दिन अच्छा रहेगा. आपकी वाणी में कठोरता आ सकती है. दूसरों के प्रति स्नेह भाव बनाएं रखें. पेट की समस्या से परेशान लोगों को ऑयली खाने से बचना चाहिए. संतान पक्ष से सुखद अनुभूति होगी. आपको आय के नवीन स्रोत मिलेंगे.

■ **तुला**: आपका दिन अच्छा रहने वाला है. आपको किसी महत्वपूर्ण चर्चा में शामिल होने का मौका मिलेगा, जिसमें आपकी सहभागिता अच्छी खासी रहेगी. कोई प्रिय मित्र आपसे किसी विशेष विषय को लेकर बातचीत कर सकता है. कोई काम आपको सोच विचार कर करना चाहिए. आपकी आय के मुकाबले खर्चों में अधिकता रहेगी.

■ **वृश्चिक**: आपका दिन मिलाजुला रहेगा. दोस्त आपका मनोबल बढ़ाएंगे. आपके स्वास्थ्य में बेहतरी बनी रहेगी. सोची हुई कार्य योजनाओं को पूर्ण करने में सफलता मिलेगी. जमीन जायदाद से जुड़े कार्य तेजी से आगे बढ़ेंगे. परिवार की कोई संपत्ति संबंधित समस्या सुलझ सकता है, जिसमें आपको वरिष्ठ सदस्यों की मदद भी मिलेगी.

■ **धनु**: आपका दिन सुख शांति से भरा रहेगा. पुत्र पक्ष से सहयोग मिलेगा. आपसी रिश्ते में मिठास बढ़ेगी. इस राशि के लोगों का निर्माण कार्य जल्द पूरा हो जायेगा. राजनीति से जुड़े लोगों का समाज में प्रभाव बढ़ेगा. लोग आपके कार्य से खुश होंगे. आपको प्रमोशन से जुडी खबर मिल सकती है.

■ **मकर**: आपका दिन शानदार रहने वाला है. जिस भी क्षेत्र में आप मेहनत करेंगे उसमें उन्नति हासिल करेंगे. आपकी सभी परेशानियों का अंत होगा. सफलता की नई किरण दिखाई देगी. आर्थिक क्षेत्र में विकास के योग बन रहे हैं. काफी समय से वाहन लेने का मन बना रहे हैं तो वाहन लेने में समय आपका साथ देगा. पढ़ाई में दोस्तों की सहायता मिलेगी. उ

■ **कुंभ**: आपका दिन उत्तम रहेगा. आपके सोचे हुए कार्य एक-एक करके पूरे होते जाएंगे, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा. आपके कारोबार में सुखद बदलाव आयेगा, आय में बढ़ोतरी होगी. इस राशि के प्रतियोगी परीक्षा के छात्रों को समझदारी से तैयारी करनी चाहिए.

■ **मीन**: आपका दिन बढ़िया रहेगा. परिवार में विशेष लोगों का आवागमन हो सकता है. आप इसकी तैयारी में व्यस्त रहेंगे. कविता लिखने के शौकीन लोगों को आगे बढ़ने का प्लेटफार्म किसी दोस्त की मदद से मिलेगा. आपके वैवाहिक जीवन में ढेरों खुशियां आएंगी. सरकारी विभाग के कर्मचारियों के वेतन में बढ़ोतरी हो सकती है. जल्द कोई अच्छी खबर मिलेगी.

फिल्म वर्ग पहेली- 405

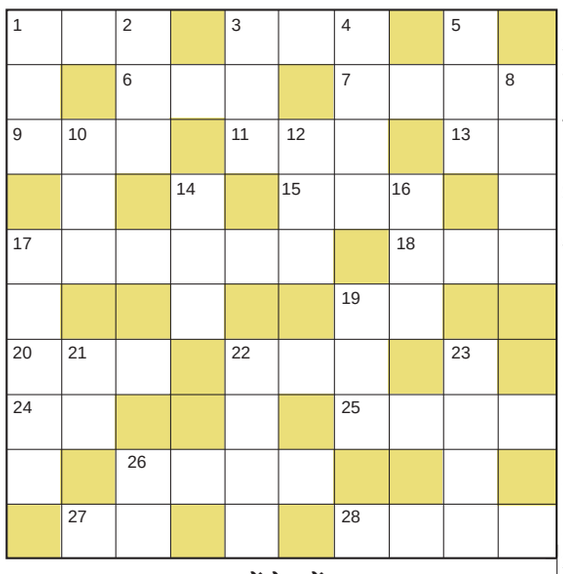

ऊपर से नीचे:-

1.'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-3
2. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-3
3. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा है' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-3
4. गीफा अवार्ड्स में किस को फिल्म 'रंग दे बसंती' के लिये सर्वश्रेष्ठ संगीतकार का पुरस्कार मिला था-4
5. ओमपुरी, शबाना आजमी, माधुरी की सुधीर मिश्रा निर्देशित फिल्म-3
8. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीना राय की 1992 की एक फिल्म-4
10. जिमी, उदय चोपड़ा, इरफान, नम्रता की 'राहें लहरा के हम से' गीत वाली फिल्म-3
12. 'रंग और नूर की बारात किसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना की फिल्म-3
14. मिथुन, सारिका की 'साथी हैं हम जनमों के' गीत वाली फिल्म-3
16. 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली रंजन, चित्रा जयश्री की फिल्म-3
17. मिथुन, चंकी, ऋतुपर्णा, सोमी की 'जब मैंने तेरा' गीत वाली फिल्म-3,2
19. फिल्म 'बंदिवी' की नायिका कौन थी-3
21. अजय देवगन, ट्विंकल खन्न की 'बेईमान पिया रे' गीत वाली फिल्म-2
22. फिरोज खान, मुमताज की फिल्म-4
23. विनोद खन्ना, आमिर, सैफ, अश्विनी भावे, खीना, नीलम की 'हम बंजारे दिल नहीं देते' गीत वाली फिल्म-4
26. जितेन निर्देशित मिथुन चक्रवर्ती, राखी, नीता मेहता की 1986 की एक फिल्म-2

बायें से दायें:-

1. अमिताभ, संजीवकुमार, सचिन, हेमा, राखी, पूनम ढिल्लों की फिल्म-3
3. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-3
6. तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-3
7. 'नीले गगन के तले' गीत वाली सुनील दत्त, मुमताज की फिल्म-4
9. 'जुबलीकुमार' राजेंद्रकुमार की पहली फिल्म जिसकी नायिका गीता बाली थी-3
11. अशोककुमार, नादिरा की 'काहे जादू किया मुझको' गीत वाली फिल्म-3
13. सुपर हिट फिल्म 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम क्या था-2
15. कुमार गौरव, शरनाज की 'जिंदगी कब तुम को' गीत वाली फिल्म-3
17. 'आजा आजा मैं हूँ प्यार' गीत वाली शम्मीकपूर, आशा की फिल्म-3,3
18. सतीश कौल, सरिता की बी. आर. इशारा निर्देशित 1974 की एक फिल्म-3
19. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम का फिल्म-2
20. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या कर दिया' गीत वाली फिल्म-3
22. 'दुनिया में कितना' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता पाटिल की फिल्म-3
24. मनोज बाजपेयी, उर्मिला की जोड़ी वाली रामगोपाल वर्मा की एक फिल्म-2
25. 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली महीपाल, संध्या की फिल्म-4
26. विनोद मेहरा, मौसमी की 'तेरे नैनों के मैं दीप' गीत वाली फिल्म-4
27. 'हम' में नायिका किमी काटकर के किरदार का नाम क्या था-2
28. बलराज साहनी, लीला की 'हाये रे वो दिन क्यूं ना' गीत वाली फिल्म-4

फिल्म वर्ग पहेली- 404 का हल

प	र	दे	स		शा	ली	मा	र	
हे		व	र	दा	न		सु		ही
ली	ड	र		न		ओ	म	का	रा
	र		शि	व	रा	म		पों	
जु		दा	वा		ज		फ	रे	ब
बै	रा	ग		चा	ह	त		ट	
दा			शि		ठ		दा		अ
	स	त्य	का	म		श	मा		न
दो	ड़		र	जा	मु	रा	द		क
	क	र्ज		ल		बी		जू	ही

■ मंगल सैणचा, बेंगलोर

अंकजाल - 405

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

	21	17	12		39	24	16	19	
19	9		7		5		4		23
14		7				7		3	23
10	8				4		7		27
33		5		8		2			
			7		6		5		27
25		6		4				5	13
24	8		4				3		15
18		7		2		7		9	20
	19	19	24	26		14	20	21	

अंकजाल 404 का हल

	17	17	22	35		11	22	20	
29	5	7	8	9		3	5	4	12
23	9	2	7	5		8	7	5	20
23	3	8	2	7	3		2	6	8
			2	5	7	2	8	5	29
31	6	7	3	6	4	5			
7	2	5		3	4	7	8	8	30
19	5	8	6		6	8	7	3	24
18	5	6	7		3	2	7	1	13
	18	26	13		27	24	22	12	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 405

शब्द जाल में भारत के 10 प्रधानमंत्रियों के नाम नाम ढूंढिए.नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

जवाहरलाल नेहरु, लालबहादुर शास्त्री, चरण सिंह, मोरारजी देसाई, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, इंद्रकुमार गुजराल, देवगौडा, अटलबिहारी, मनमोहन सिंह.

अ	क	ल	इं	दि	रा	गां	धी	इं	ल	ज
र	ट	ल	दे	व	गौ	ड	इं	द्र	ट	वा
त	स	ल	ल	र्म	छ	मो	रा	कु	ख	ह
च	ज	ज	बि	पु	र	रा	प	मा	ली	र
म	र	दो	ग	हा	लं	र	तू	र	झ	ला
न	क	ण	प	ह	री	जी	ना	गु	घ	ल
मो	अ	स	सिं	या	प	दे	श	ज	ला	ने
ह	ता	दा	ई	ह	ब	सा	फ	रा	श	ह
न	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु
सिं	पा	ला	ल	ब	हा	दु	र	शा	स्त्री	ता
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	बा	द	प	न

शब्दजाल - 404 का हल

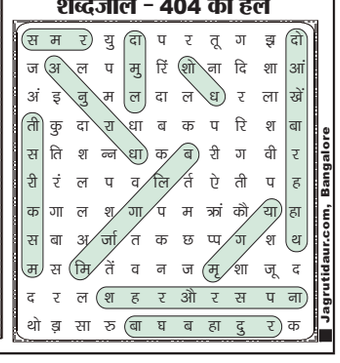

अमेरिकी सरकार और मुक्त भाषण अधिकारों पर

उविदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पुष्टि की है कि अमेरिका में विदेशी छात्रों के वीजा रद्द करने का एक कार्यक्रम चल रहा है, जो ₹ऐसी गतिविधियाँ कर रहे हैं जो हमारे राष्ट्रीय हितों और हमारी विदेश नीति के विरुद्ध हैं₹.रिपोर्टों से पता चलता है कि कई सौ वीजा रद्द किए गए हैं , जिनमें भारतीय छात्रों के वीजा भी शामिल हैं .इन रिपोर्टों से यह भी संकेत मिलता है कि अमेरिकी सरकार इन रद्दीकरणों के लिए सोशल मीडिया गतिविधि की निगरानी को आधार बना रही है.श्री रुबियो ने गाजा युद्ध विरोध के अधिक परेशान करने वाले पहलुओं का भी उल्लेख किया - यहूदी छात्रों को कथित तौर पर परेशान किया गया या विश्वविद्यालय की इमारतों पर कब्जा कर लिया गया.उनके विचार में, यदि कोई कार्रवाई आवेदन के चरण में वीजा देने से इनकार करने को उचित ठहराती है, तो यह जारी होने के बाद रद्द करने का आधार है.हालाँकि, यह घ... यह अधिकार अमेरिका में कानूनी रूप से मौजूद विदेशी नागरिकों तक फैला है या नहीं, यह एक ग्रे क्षेत्र बना हुआ है.विभिन्न कानूनों - 18वीं शताब्दी के उत्तरार्ध से लेकर अमेरिकी विदेश नीति पर प्रभाव से संबंधित हाल के नियमों तक - ने इस तरह की अभिव्यक्ति पर सीमाएं लगाई हैं.फिर भी, ऐतिहासिक रूप से, विदेशी छात्र अक्सर दंडात्मक कार्रवाई का सामना किए बिना अमेरिकी घरेलू और विदेशी नीतियों के मुखर आलोचक रहे हैं.और, विश्वविद्यालय प्रशासन ने आम तौर पर छात्रों और शिक्षाविदों के मुक्त भाषण अधिकारों का बचाव किया है.अपनी खामियों के बावजूद - ऐतिहासिक, जैसे द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापानी अमेरिकियों की नजरबंदी, और चल रही, जैसे प्रणालीगत नस्लीय असमानताएं - अमेरिका उदार मूल्यों और उचित प्रक्रिया का एक प्रकाशस्तंभ रहा है.ये सिद्धांत दुनिया भर में प्रशंसित हैं, अक्सर इसकी भौतिक संपदा या पेशेवर अवसरों से भी ज्यादा.सत्ता के दुरुपयोग से सुरक्षा करने वाली अमेरिकी जांच और संतुलन प्रणाली को - संभवतः न्यायिक हस्तक्षेप के माध्यम से - ट्रम्प प्रशासन की अतिक्रमणकारी गतिविधियों पर लगाम लगाने और उन स्वतंत्रताओं को संरक्षित करने के लिए सक्रिय होना चाहिए जो अमेरिकी लोकतंत्र को परिभाषित करती हैं और दुनिया के बड़े हिस्से को प्रेरित करती हैं.

जनसंवाद नेटवर्कस् प्रा. लि. हेतु राष्ट्रबाण (प्रेस) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक विष्णुगुप्त श्रीनिवास वैद्य द्वारा यह मुद्रित कर 101/5 गणेश स्नेहल अपार्टमेंट नागपुर-22 से प्रकाशित. प्रधान संपादक - *विष्णुगुप्त श्रीनिवास वैद्य, *पी. आर. बी. कानून के तहत संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार ■ इस पत्र में प्रकाशित विज्ञापन, लेख व समाचारों में व्यक्त विचार व्यक्तिगत है. उनसे हमारा सहमत-असहमत होना जरुरी नहीं. RNI Reg. No. HIN/72804 ■ फोन नं. 0712-7966355, rashtrabaanngp@gmail.com

पूरे देश में नक्सली युद्धविराम को तैयार !

सेंट्रल कमेटी ने कहा- सरकारें ऑपरेशन रोकें तो हम शांतिवार्ता करेंगे

लगातार कार्रवाई से घुटने टेकने पर मजबूर

15 महीने में 400 साथियों को मारा

यपुर. छत्तीसगढ़ में लगातार हो रहे नक्सल विरोधी अभियान के बाद अब माओवादी संगठन शांति वार्ता के लिए तैयार हो गए हैं. बताया जा रहा है कि इसके लिए एक लेटर जारी किया गया है. अमित शाह के बस्तर दौरे से पहले ही नक्सली संगठन केंद्र और राज्य सरकार से शांति वार्ता करने के लिए तैयार हो गए हैं. नक्सलियों के केंद्रीय समिति के प्रवक्ता द्वारा यह लेटर जारी किया गया है. इस लेटर में बताया गया है कि पिछले 15 महीनों में उनके 400 साथी मारे गए हैं. अगर राज्य और केंद्र सरकार नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन रोकती है, तो हम शांति वार्ता के लिए तैयार हैं.

किस शर्त पर शांति

पर्चे में लिखा है कि, जब हमारे दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्य और माओवाद संगठन के प्रतिनिधि विकल्प ने शांति वार्ता के लिए अपनी शर्त रखी थी कि जवानों को कैंप तक ही रखा जाए. ऑपरेशन को बंद किया जाए. जिसके बाद बातचीत करेंगे. इन शर्तों का जवाब दिए बगैर लगातार ऑपरेशन चलाए गए. पिछले 15 महीने में हमारे 400 से अधिक नेता, कमांडर, PLGA के कई स्तर के लड़ाके मारे गए. सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार किया गया और उन्हें जेल में डाल दिया गया है.

तेलगु भाषा में जारी किया गया है लेटर

नक्सली संगठन द्वारा यह लेटर तेलगु भाषा में जारी किया गया है. लेटर में 28 मार्च 2024 की तारीख लिखी हुई है. बताया जा रहा है तेलंगाना में नक्सली संगठन की एक अहम बैठक हुई थी. जिसमें बिना किसी शर्त के शांति वार्ता के लिए आगे बढ़ने और बातचीत करने पर सहमति बनी है. नक्सली संगठनों ने लेटर में कहा है कि युद्धविराम की घोषणा होनी चाहिए. लेटर में इस बात का भी जिक्र किया गया है कि छत्तीसगढ़ के गृह मंत्री विजय शर्मा ने शांति वार्ता की पहल की थी.

अमित शाह ने सेट किया है टारगेट

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नक्सलवाद को लेकर टारगेट सेट किया है. अमित शाह ने कहा था कि मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करेंगे. अमित शाह के इस टारगेट के बाद छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खिलाफ लगातार कार्रवाई हो रही है. अमित शाह चार अप्रैल को एक बार फिर से छत्तीसगढ़ दौरे पर आ रहे हैं.

क्या लिखा है लेटर में

नक्सली संगठन द्वारा जारी लेटर में कहा गया है- ₹भाजपा जहां पूंजीवादी और सामंती व्यवस्था को उखाड़ फेंकने और समतामूलक समाज की स्थापना के लिए संघर्ष कर रही है, वहीं केंद्र और राज्य सरकारें तथा अन्य दलों की राज्य सरकारें उन जनसंघर्षों को मिटाने के लिए पूर्वी और मध्य भारत में युद्ध कर रही हैं . अगर हमारी पार्टी साम्राज्यवादियों, दलाल पूंजीपतियों, जमींदारों के शोषण और उत्पीड़न से पीड़ित लोगों, उत्पीड़ित सामाजिक समुदायों और उत्पीड़ित जातियों की मुक्ति के लिए लड़ रही है, तो केंद्र और राज्य सरकारें उन संघर्षों को दबाने के लिए सशस्त्र पुलिसबलों और एनआईए जैसी खुफिया एजेंसियों का उपयोग करके लड़ रही जनता पर हमला कर रही हैं .₹ ऐसे में हम जनता के हित में शांति वार्ता के लिए हमेशा तैयार हैं . इसलिए इस मौके पर हम केंद्र और राज्य सरकार के सामने शांति वार्ता के लिए सकारात्मक माहौल बनाने का प्रस्ताव रख रहे हैं . इसके लिए हमारा प्रस्ताव है कि केंद्र और राज्य सरकारें छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र (गढ़चिरौली), ओडिशा, झारखंड, मध्य प्रदेश और तेलंगाना राज्यों में की जा रही हत्याओं को रोकें और सशस्त्र बलों के नए शिविरों की स्थापना को रोकें . यदि केंद्र और राज्य सरकारें इन प्रस्तावों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देती हैं, तो हम तुरंत युद्धविराम की घोषणा कर देंगे .

राज ठाकरे के कार्यकर्ता की गुंडागर्दी !

MNS कार्यकर्ताओं ने शिवसेना का बोर्ड फाड़ा | **इसमें राज ठाकरे से पूछा था-क्या आपके विचार शुद्ध** | **ठाकरे ने गंगा की शुद्धता पर सवाल उठाए थे**

नई दिल्ली. महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) प्रमुख राज ठाकरे के कुंभ मेले में गंगा जल की शुद्धता पर सवाल उठाए थे. उन्होंने कहा था कि यह कैसा धर्म है, अगर हम अपने प्राकृतिक संसाधनों को नष्ट कर रहे हैं. इस पर शिवसेना ने मंगलवार को राज ठाकरे के घर के पास एक बड़ा बिलबोर्ड लगाया था. इस बोर्ड पर लिखा था कि गंगा का जल शुद्ध है, पर क्या आपके विचार शुद्ध हैं. बुधवार सुबह MNS कार्यकर्ता बिलबोर्ड को हटाने पहुंचे. उन्होंने बिल बोर्ड वहां से हटाकर फाड़ दिया. इस दौरान उन्होंने राज ठाकरे के पक्ष में नारेबाजी भी की.दरअसल, ये पोस्टर शिवसेना (शिंदे गुट) के दादर से नेता सदा सरवणकर के बेटे समाधान सरवणकर की ओर से लगाया गया था. बिल बोर्ड में डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे और कुंभ मेले के शिवसैनिकों की तस्वीर लगाई गई थी. साथ ही इस पर लिखा गया था कि यह (कुंभ) हिंदुओं के लिए एकता का क्षण था.

शिवाजी नाम के विचार को मारना चाहता था औरंगजेब: राज ठाकरे ने कहा, 'औरंगजेब ने महाराष्ट्र में 27 साल बिताए और वो मराठाओं से लड़ता रहा. वह शिवाजी की विरासत को मिटाना चाहता था, लेकिन आखिरकार वो हार गया. औरंगजेब उस विचार को मारना चाहता था, जिसका नाम शिवाजी था. शिवाजी की मृत्यु के बाद भी औरंगजेब महाराष्ट्र में रहा और उनके आदर्शों को खत्म करने की कोशिश की, लेकिन असफल रहा.'

फिल्म देखकर जागने वाला हिंदू किसी काम का नहीं: ठाकरे ने कहा, 'हम मौजूदा समय के असली मुद्दों को भूल गए हैं. फिल्म देखकर जागने वाले हिंदू किसी काम के नहीं हैं. क्या आपको विक्की कौशल को देखकर संभाजी महाराज के बलिदान के बारे में और अक्षय खन्ना को देखकर औरंगजेब के बारे में पता चला? औरंगजेब का क्या मामला था किसी को पता है क्या?' हिंसा और तोड़फोड़ के बाद औरंगजेब की कब्र पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है. बैरिकेड्स लगा दिए गए हैं. ऐसी व्यवस्था की गई है कि वहां केवल एक ही व्यक्ति प्रवेश कर सके. औरंगजेब के मकबरे का मुख्य द्वार पुलिस ने बंद कर दिया है.

हमें नदियों की फिक्र नहीं, औरंगजेब की कब्र की चिंता कर रहे

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) के प्रमुख राज ठाकरे ने 30 मार्च को औरंगजेब कब्र विवाद की निंदा की थी. राज ने कहा कि लोग वॉट्सऐप पर फॉरवर्ड मैसेज से इतिहास न पढ़ें, सोशल मीडिया से नहीं, विश्वसनीय जगहों से इतिहास पढ़ें. उन्होंने कहा, ₹इतिहास के नाम पर लोगों को लड़ाया जा रहा है, राजनेता इन मुद्दों को हवा दे रहे हैं ताकि विवाद को बढ़ाकर फायदा उठाया जा सके. हमें नदियों और पेड़ों की चिंता नहीं है, हम औरंगजेब की कब्र की फिक्र कर रहे हैं.

फास्ट ट्रैक

जेल में ही रहेंगे आसाराम...

जोधपुर. नाबालिग से रेप मामले में सजायाफ्ता आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट से फिलहाल राहत नहीं मिली है . बुधवार को उसकी अर्जी पर सुनवाई हुई . करीब आधे घंटे तक बहस चली , जिसमें सरकारी अधिवक्ता ने आसाराम को अंतरिम जमानत देने का विरोध करते हुए कहा कि उसने सुप्रीम कोर्ट की प्रवचन नहीं करने की शर्त का उल्लंघन किया है . अब इस मामले में 7 अप्रैल को सुनवाई होगी. वहीं बीते दिन जोधपुर की सेंट्रल जेल पहुंचे आसाराम को स्वास्थ्य कर्म के चलते मंगलवार मध्य रात्रि बाद पाली रोड स्थित एक निजी आयुर्वेद अस्पताल में भर्ती कराया गया है. जमानत को लेकर सरकारी वकील ने किया था विरोध गुजरात हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस द्वारा आसाराम को गुजरात मामले में 3 महीने की जमानत मिलने के बाद जोधपुर में भी आसाराम की ओर से जमानत याचिका लगाई गई थी . जमानत को लेकर सरकारी अधिवक्ता ने विरोध किया. वहीं , आसाराम के वकील ने कहा कि किसी भी शर्त का कोई उल्लंघन नहीं किया गया है . इससे पहले कोर्ट ने आसाराम को पूर्व में दी गई अंतरिम जमानत के दौरान लिए गए ट्रीटमेंट से जुड़ी पूरी जानकारी भी ली और भविष्य में इसकी जरूरत के बारे में भी पूछा . दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने आसाराम की ओर से शर्तों के उल्लंघन को लेकर जवाबी शपथ पत्र पेश करने को कहा है एक दिन पहले अंतरिम जमानत अवधि खत्म होने के बाद मंगलवार 1 अप्रैल को दोपहर बाद आसाराम जोधपुर सेंट्रल जेल पहुंचा था.

कुणाल कामरा को तीसरा समन

5 अप्रैल को बुलाया, पहले 2 समन में पेश नहीं हुए

मुंबई. महाराष्ट्र के डिप्टी CM एकनाथ शिंदे पर पैरोडी सॉन्ग मामले में कॉमेडियन कुणाल कामरा को पुलिस ने तीसरा समन भेजा है. उन्हें 5 अप्रैल को खार पुलिस स्टेशन में पूछताछ के लिए पेश होने को कहा है. इससे पहले पुलिस कामरा को 2 समन भेज चुकी है.

इधर, मंगलवार को कुणाल कामरा मद्रास हाईकोर्ट में पेश हुए. उन्होंने दावा किया कि पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही है, इसलिए उन्हें ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी जाए. मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस सुंदर मोहन ने कामरा को ट्रांजिट अग्रिम जमानत दे दी.

इससे पहले 28 मार्च को हाईकोर्ट ने कामरा को 7 अप्रैल तक की अग्रिम जमानत दी थी. कामरा ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर की. इसका शीर्षक था – 'एक कलाकार को खत्म करने की स्टेप-बाय-स्टेप गाइड'. कामरा वर्तमान में तमिलनाडु में हैं.

शो में गए बैंकर को पुलिस ने गवाह के तौर पर बुलाया

मुंबई पुलिस ने कुणाल कामरा के शो में गए एक बैंकर को गवाह के तौर पर समन भेजा है . हालांकि, पुलिस ने बताया कि उनकी तुरंत उपस्थिति जरूरी नहीं है . रिपोर्ट्स के मुताबिक, बैंकर 6 अप्रैल तक के लिए छुट्टियों पर गया था . लेकिन नोटिस की वजह से बैंकर को ट्रिप कैंसिल करके 31 मार्च (सोमवार) को ही लौटना पड़ा .

'ये हिंदुस्तान है, पाकिस्तान नहीं...'

कांग्रेस पर बरसे अनुराग ठाकुर

लोकसभा में बुधवार को वक्फ संशोधन विधेयक पेश हो गया है. इस बिल पर लगतार चर्चा जारी है. वक्फ विधेयक पर विपक्ष दलों की आपत्ति को लेकर भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा है. अनुराग ने विपक्ष पर वोट बैंक की राजनीति करने का और वक्फ बोर्ड पर भी जमीनों पर कब्जे का आरोप लगाया. है. अनुराग ठाकुर ने साफ तौर पर ये भी कह दिया कि ये हिंदुस्तान है कोई पाकिस्तान-तालिबान नहीं. यहां मुगलिया फरमान नहीं चलेगा. आइए जानते हैं कि अनुराग ठाकुर ने इस बिल को लेकर और क्या कुछ कहा है.

दूसरा विभाजन नहीं होने देंगे

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा- ₹वक्फ संशोधन 2025 केवल कानून में बदलाव नहीं बल्कि एक संदेश है कि देश में एक ही कानून चलेगा वो है भारत का संविधान, संविधान के ऊपर कुछ भी नहीं. वक्फ बोर्ड का उद्देश्य मुस्लिम समुदाय के कल्याण के लिए संपत्तियों का प्रबंधन करना था. लेकिन कांग्रेस और इसके सहयोगी दलों ने इस भूमि को अपारदर्शी और गैर जिम्मेदाराना तरीके से राजनीतिक संरक्षण देते हुए ऐसा साम्राज्य बनाया जहां इसे अपना वोट बैंक का एटीएम बना कर रख दिया है. 70 सालों से इन्होंने यही किया. 1947 में भारत ने एक विभाजन देखा है. वो विभाजन एक परिवार और पार्टी के कारण हुआ. आज जमीन जिहाद और लैंड जिहाद के नाम पर दूसरा विभाजन नहीं होने देंगे. एक स्पष्ट संदेश देना चाहते हैं कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत में एक कानून, एक संविधान और एक भारत रहेगा. एक स्पष्ट संदेश भी है कि एक हैं तो सेफ हैं.

कब्जा करने का काम हुआ

अनुराग ठाकुर ने कहा- ₹हम इस बिल के माध्यम से पारदर्शिता लाएंगे और जवाबदेही तय करेंगे. जिनके अपने नेता भ्रष्टाचार के मामले में फंसे हुए हैं. जिनके राज्य में हजारों करोड़ रुपये के घोटाले हुए जिनका उल्लेख किया जाएगा. 70 सालों से ये प्रक्रिया चल रही है. 1964, 1969 तक एक के बाद दूसरे संशोधन आए, 1995 से 2013 तक इस कानून को ऐसा बना दिया गया कि इसको चुनौती देने का भी हक नजर नहीं आता था. न कोई ऑडिट न कोई निरीक्षण, बस भूमि अधिग्रहण की बात. शहर दर शहर गली दर गली इस पर एक तरह से एक कब्जे के बाद दूसरा कब्जा करने का काम किया गया. ये कोई धर्मपेक्षता नहीं थी बल्कि ये एक नरम विभाजन की ओर ले जाने का काम था. पहले तो देश का विभाजन किया. इसके बाद धारा 370 और 35A देकर ऐसे जख्म दिए कि हजारों लोगों की मौत हो गई. नरेंद्र मोदी सरकार ने इसे हटाया. मोदी सरकार ने ट्रिपल तलाक हटाकर मुस्लिम बहनों को निजात दिलाई.

ये कोई पाकिस्तान या तालिबान नहीं- अनुराग ठाकुर

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा- ₹एक ओर विपक्ष हाथ में लाल सी किताब लेकर चलते हैं जो कहने को तो संविधान है लेकिन वह संविधान नहीं है. अगर आप संविधान की कॉपी को देखेंगे तो आपको एहसास होगा कि बाबा साहब अंबेडकर ने कहा था कि एक देश में एक ही संविधान रहेगा. आपने एक देश में दो विधान बनाने का काम किया है. आपको तय करना होगा कि आपको वक्फ के साथ रहना है या संविधान के साथ. जो बड़ी-बड़ी बात कर रहे हैं उनको मैं यही कहना चाहता हूं कि ये हिंदुस्तान है कोई पाकिस्तान या तालिबान नहीं. यहां बाबा साहब का संविधान चलेगा, यहां मुगलिया फरमान नहीं चलेगा. एक नहीं ऐसे अनेक उदाहरण देखने को मिलेंगे. आज हम केवल संविधान संशोधन पर चर्चा नहीं कर रहे. एक ऐसे समानांतर सत्ता को चुनौती दे रहे हैं जो कि दशकों से अनियंत्रित रूप से अस्तित्व में है.

जापान के क्यूशू द्वीप में भूकंप के जोरदार झटके

घरों से निकलकर भागे लोग

तोक्यो . जापान के क्यूशू द्वीप में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए. राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक बुधवार (2 अप्रैल 2025) को जापान के क्यूशू में रिक्टर पैमाने पर 6.0 तीव्रता का भूकंप आया. इस भूकंप से लोग घबराकर घरों और इमारतों से बाहर निकल आए. फिलहाल किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं आई है.

कई सेकंड तक लोगों ने महसूस किए भूकंप के झटके: भूकंप का केंद्र क्यूशू के दक्षिणी इलाके में था.

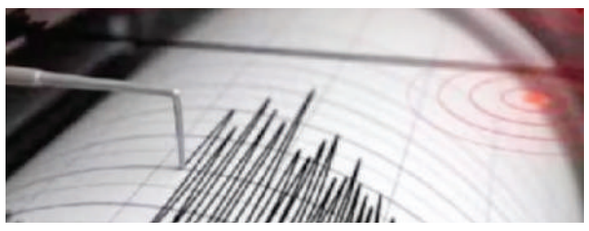

कई सेकंड तक वहां के लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किए. हालांकि जापान के मौसम विभाग के अनुसार भूकंप के बाद सुनामी को लेकर कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है. जापान भूकंप संभावित क्षेत्र में स्थित है, जिसे पैसिफिक रिंग ऑफ फायर कहा जाता है. न्यूज एजेंसी एएफपी की रिपोर्ट के मुताबकि हाल ही में जापान सरकार ने एक आंकड़ा जारी किया था, जिसमें यह बात सामने आई थी कि जापान में भूकंप के तेज झटके महसूस हो सकते हैं. यह भी बताया गया था कि इस भूकंप से सुनाई जापान में कहर मचाएगी, जिसमें 298,000 लोगों की मृत्यु हो सकती है.

म्यांमार में भूकंप ने मचाई तबाही

पिछले हफ्ते म्यांमार और थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में आए भूकंप ने काफी तबाही मचाई है. इन दोनों देशों के अलावा उस दिन भारत में भी भूकंप के झकटे महसूस किए गए थे. थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में निर्माणाधीन एक बहुमंजिला इमारत ढह गई तो वहीं म्यांमार में लाखों लोग बेघर हो गए. म्यांमार में जैसे-जैसे मलबे को हटाया जा रहा है वैसे-वैसे मौतों का आंकड़ा भी बढ़ता जा रहा है. न्यूज एजेंसी एसोसिएट प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक में पिछले सप्ताह आए भीषण भूकंप में मृतकों की संख्या 3000 से अधिक हो गई. भारत सरकार ने म्यांमार में भूकंप से प्रभावित लोगों की मदद के लिए पांच सैन्य विमानों से राहत सामग्री, बचाव दल और चिकित्सा उपकरण भेजे हैं. चीन सहित दुनिया के कई देशों ने म्यांमार में राहत सामग्री भेजी है.

'मोदी जी तुम संघर्ष करो... हम तुम्हारे साथ हैं'

वक्फ संशोधन बिल के समर्थन में उतरीं मुस्लिम महिलाएं

नई दिल्ली. लोकसभा में आज सरकार ने वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पेश किया है. कोई इस विधेयक के पक्ष में है तो कोई विपक्ष में है. सरकार को सदन में जेडीयू, टीडीपी और जेडीएस जैसे दलों का साथ मिला है. वहीं विपक्षी गठबंधन भी बिल के विरोध में लामबंद है. कांग्रेस ने विधेयक को संविधान के खिलाफ बताया. सपा का कहना है कि बिल का विरोध किया जाएगा.

भोपाल में पीएम मोदी के समर्थन में लगे नारे: विपक्ष के विरोध के बीच दिल्ली और मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से अलग तस्वीर सामने आई है. यहां मुस्लिम महिलाएं वक्फ संशोधन विधेयक 2024 के समर्थन में उतरीं. भोपाल में बड़ी संख्या में प्रदर्शन कर रहीं मुस्लिम महिलाओं के हाथों में पीएम मोदी के समर्थन वाली तख्तियां थीं. इनमें पीएम मोदी को धन्यवाद दिया गया है. महिलाओं ने नारे लगाए कि 'मोदी जी तुम संघर्ष करो... हम तुम्हारे साथ हैं.'

दिल्ली में भी महिलाओं ने किया समर्थन: दिल्ली में भी वक्फ विधेयक के समर्थन में मुस्लिम महिलाएं उतरीं. महिलाओं ने तख्तियां पकड़ रखी हैं. इनमें लिखा है कि 'वक्फ संपत्ति की आमदनी उसके हकदार तक पहुंचाने और वक्फ बोर्ड में महिलाओं व पिछड़े मुसलमानों की हिस्सेदारी देने के लिए मोदी जी का शुक्रिया.'

लोगों को अब सावधान हो जाना चाहिए

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि देश के लोगों को अब सावधान हो जाना चाहिए कि भाजपा ने वक्फ संपत्तियों पर कब्जा कर उन्हें अपने दोस्तों को देने की शुरुआत कर दी है. वे गुरुद्वारों, मंदिरों और चर्च की संपत्तियों के साथ भी ऐसा ही करेंगे. उधर, सुप्रिया सुले का कहना है कि हम विधेयक को देखेंगे. इस पर चर्चा चल रही है. हम I.N.D.I.A गठबंधन के साथ हैं और गठबंधन पूरी ताकत के साथ रहेगा.

हमारी पार्टी करेगी विरोधः कनिमोझी

डीएमके सांसद कनिमोझी ने कहा कि हमारी पार्टी इसका विरोध कर रही है. हमारे सीएम एमके स्टालिन ने तमिलनाडु विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया है. हम इस देश के अल्पसंख्यकों को ऐसे नहीं छोड़ेंगे. I.N.D.I.A गठबंधन इस विधेयक के खिलाफ एक साथ खड़ा है.

खरी-खरी

सालाना आय पहुंची 133 करोड़

सिद्धिविनायक मंदिर ने कमाई में तोड़े सारे रिकॉर्ड

मुंबई. मुंबई का प्रसिद्ध श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर एक बार फिर अपनी ऐतिहासिक कमाई को लेकर चर्चा में है. मंदिर ट्रस्ट ने बताया कि हाल ही में समाप्त हुए वित्तीय वर्ष 2024-25 में मंदिर की कुल आय 133 करोड़ तक पहुंच गई, जो पिछले वित्तीय वर्ष (2023-24) की तुलना में 16% अधिक है. मंदिर की कमाई में सबसे बड़ा योगदान श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए दान और चढ़ावे का रहा. इसके अलावा, पूजा और अन्य धार्मिक अनुष्ठानों से 20 करोड़ की आय हुई. मंदिर को विभिन्न स्रोतों से आय प्राप्त होती है, जिनमें दान पेटियां, ऑनलाइन भुगतान, धार्मिक अनुष्ठान, प्रसाद बिक्री और सोना-चांदी की नीलामी शामिल हैं. ट्रस्ट के एक अधिकारी के अनुसार, पिछले वर्ष की तुलना में प्रसाद में इस्तेमाल होने वाले लड्डू और नारियल वड़ी की बिक्री में 32% की वृद्धि दर्ज की गई. मंदिर प्रशासन रोजाना करीब 10,000 लड्डू भक्तों को वितरित करता है.

दान का समाज कल्याण में उपयोग: मंदिर ट्रस्ट अपनी आय का 20% सामाजिक कल्याण कार्यों पर खर्च करता है. इसमें मेडिकल सहायता, डायलिसिस सेंटर का संचालन, 18 प्रकार की गंभीर बीमारियों से ग्रस्त मरीजों की आर्थिक सहायता जैसी सुविधाएं शामिल हैं. इसके अलावा, ट्रस्ट कॉलेज के छात्रों के लिए बुक बैंक सुविधा प्रदान करता है और मंदिर परिसर के पास एक अध्ययन कक्ष भी संचालित करता है.ट्रस्ट उन किसानों के बच्चों की शिक्षा का खर्च भी उठाता है, जिनके परिवार के सदस्य आत्महत्या कर चुके हैं. वीणा पाटिल ने कहा, ₹हम यह सुनिश्चित करते हैं कि भक्तों द्वारा दिया गया दान और चढ़ावा समाज के कल्याण के लिए उपयोग किया जाए.₹

भविष्य में और बढ़ेगी कमाई

मंदिर ट्रस्ट को उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में भक्तों की संख्या में और अधिक वृद्धि होगी, जिससे आय में और भी इजाफा होगा. इसके साथ ही, प्रशासनिक सुधारों और तकनीकी सुविधाओं के विस्तार से मंदिर की सेवाओं को अधिक व्यवस्थित और प्रभावी बनाया जा रहा है.

गुड़ी पड़वा पर सोना-चांदी से रिकॉर्ड कमाई

ट्रस्ट के अनुसार, इस वर्ष गुड़ी पड़वा के अवसर पर सोना-चांदी की नीलामी से रिकॉर्ड 1.33 करोड़ की कमाई हुई, जो पिछले वर्ष के 75 लाख की तुलना में लगभग दोगुनी है. श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर ट्रस्ट की मुख्य कार्यकारी अधिकारी वीणा पाटिल ने बताया कि मंदिर में भक्तों की बढ़ती संख्या और प्रशासनिक सुधारों के कारण आय में यह उल्लेखनीय वृद्धि हुई है. उन्होंने यह भी अनुमान लगाया कि चालू वित्तीय वर्ष (2025-26) में मंदिर की कुल आय 154 करोड़ तक पहुंच सकती है.

कैलिफोर्निया बादाम स्वास्थ्य के लिए लाभदायक

'वर्ल्ड हेल्थ डे' विशेष

नागपुर. हर साल 7 अप्रैल को मनाया जाने वाला वर्ल्ड हेल्थ डे यह याद दिलाता है कि अच्छी सेहत का मतलब सिर्फ लंबा जीवन नहीं, बल्कि स्वस्थ और बेहतर जीवन जीना है. इसके लिए सबसे जरूरी पहलुओं में से एक है पोषण, क्योंकि संतुलित आहार हमारी समग्र सेहत की बुनियाद है. पोषण पाने का एक आसान लेकिन असरदार तरीका है अपने रोज़मर्रा के आहार में कैलिफोर्निया बादाम जैसे पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करना. भारत में सबसे लोकप्रिय कैलिफोर्निया बादाम, प्रोटीन, फाइबर, हेल्दी फैट्स, मैग्नीशियम, जिंक और विटामिन ई सहित 15 जरूरी पोषक तत्वों का प्राकृतिक स्रोत हैं, जो सेहतमंद जीवनशैली का समझदारी भरा हिस्सा बन सकते हैं.

हमारी दादी-नानी सदियों से बादाम खाने की सलाह देती आई हैं, और अब विज्ञान भी उनके अनुभवों की पुष्टि करता है. 200 से अधिक प्रकाशित रिसर्च में यह सामने आया है कि बादाम न केवल ऊर्जा और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं, बल्कि दिल की सेहत, ब्लड शुगर कंट्रोल और वज़न प्रबंधन में भी मददगार हैं. बादाम में मौजूद हेल्दी फैट्स और विटामिन ई त्वचा की चमक बनाए रखने और उम्र के प्रभाव को कम करने में सहायक होते हैं. आईसीएमआर-एनआईएन द्वारा भारतीयों के लिए जारी डाइटरी गाइडलाइंस में भी बादाम को संतुलित आहार में शामिल करने की सलाह दी गई है, यह न सिर्फ एक हेल्दी स्नैक है, बल्कि प्लांट-बेस्ड प्रोटीन का अच्छा स्रोत भी है.

मैक्स हेल्थकेयर, नई दिल्ली में रीजनल हेड, डाइटीटिक्स ऋतिका समद्दार कहती हैं, "भारत में खराब खानपान और निष्क्रिय जीवनशैली की वजह से मोटापा, हृदय रोग और डायबिटीज़ बढ़ रही हैं. ऐसे में समग्र स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना और छोटे लेकिन समझदारी भरे फैसले लेना जरूरी है, जैसे बादाम, फल और सब्ज़ियां अपनी डाइट में शामिल करना. बादाम खासकर दिल की सेहत के लिए लाभकारी हैं, ये कोलेस्ट्रॉल को कम करने और सूजन घटाने में मदद कर सकते हैं."

न्यूट्रीशन एण्ड वेलनेस कंसल्टेन्ट शीला कृष्णस्वामी ने कहा, 'इस वर्ल्ड हेल्थ डे के मौके पर भारत में बढ़ रहे मोटापे के संकट पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है. इसका कारण है आलसी जीवनशैली, खान-पान की खराब आदतें और ज्यादा कार्बोहाइड्रेट वाली चीजें, जिनमें दूसरे जरूरी पोषक-तत्व नहीं होते हैं. वजन पर असरदार नियंत्रण पोषक-तत्वों से भरपूर आहार से शुरू होता है, जिसमें प्रोटीन, आहारीय फाइबर, सेहतमंद वसा और माइक्रोन्यूट्रिएंट्स हों. इसका एक आसान, लेकिन दमदार तरीका है अपने रोजाना के रुटिन में मुट्ठीभर बादाम को शामिल करना. बादाम 15 जरूरी पोषक-तत्वों से भरी होती हैं और संतुष्टि बढ़ाने, खाई जाने वाली कैलोरी को कम करने तथा वजन को नियंत्रित रखने में सहायता करती हैं. बादाम का कई तरीकों से इस्तेमाल हो सकता है और किसी भी रूप में उनका मजा लिया जा सकता है. इसलिये जब अगली बार भूख लगे, खासकर भोजन के बीच, तब सेहतमंद विकल्प के तौर पर जंक या तले फूड्स के बजाए मुट्ठीभर बादाम को आजमाएं.'

एमबीबीएस और न्यूट्रिशनिस्ट डॉ. रोहिणी पाटिल ने कहा, 'जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां बढ़ने के साथ पोषण बेहद महत्वपूर्ण हो गया है. भारत को अक्सर दुनिया का डायबिटीज कैपिटल कहा जाता है और यहाँ रोजाना ऐसे मामले बढ़ रहे हैं. कई लोग प्री-डायबिटीज की अवस्था में हैं. अपनी सेहत को सही रखने का एक तरीका है खाने-पीने के मामले में सचेत रहना और इसकी शुरूआत ज्यादा सेहतमंद स्नैक्स को अपनाकर हो सकती है. प्रोसेस्ड या मीठी चीजें खाने के बजाए पोषक-तत्वों से भरपूर विकल्प चुनें, जैसे कि फल, सब्जियां और बादाम. बादाम प्राकृतिक प्रोटीन और फाइबर से भरपूर होती हैं. वे ब्लड शुगर लेवल्स को स्वस्थ रखने और टाइप 2 डायबिटीज के मरीजों में ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने में मददगार हो सकती हैं.'

परंपरा और विज्ञान से समर्थित

लोकप्रिय दक्षिण भारतीय अभिनेत्री श्रिया सरन ने कहा, 'जल्दी सुबह शूटिंग के लिये जाना, लंबे समय तक रिहर्सल करना और फिल्मिंग के लिये कड़ी मेहनत करना- ऐसे में तंदुरुस्त और ऊर्जा से भरा रहने का कोई और विकल्प नहीं हो सकता, बल्कि यह जरूरी है. इसलिये मैं अपने व्यायाम और आहार पर पूरा ध्यान देती हूं. एक सरल आदत, जो मुझे लगातार चलायमान रखती है, वह है अपने रोजाना के रुटिन में एक मुट्ठी कैलिफोर्निया आलमंड्स को शामिल करना. उनमें कुछ अनिवार्य पोषक-तत्व होते हैं, जो सेट पर लंबे वक्त रहने में मेरी मदद करते हैं और मेरी समग्र तंदुरुस्ती को सहयोग देते हैं. बादाम खाने की आदत मेरी मां ने मुझे दी थी और मैं कई वर्षों से यह कर रही हूं. बादाम मेरी भरोसेमंद स्नैक्स हैं और अगर आपने अभी तक बादाम को नहीं अपनाया है, तो एक बार जरूर आजमाकर देखें. उससे होने वाला बदलाव आपको चौंका देगा!' यह वर्ल्ड हेल्थ डे हमें याद दिला रहा है कि अच्छी सेहत एक यात्रा है, जिसे हमारी सोची-समझी पसंद और संतुलित पोषण से सहारा मिलता है. अपने रोजाना के आहार में कैलिफोर्निया आलमंड्स को शामिल करना सर्वांगीण तंदुरुस्ती की दिशा में एक आसान, लेकिन दमदार कदम है. बादाम परंपरा और विज्ञान से समर्थित हैं और एक सुविधाजनक तथा पौष्टिक तरीके से जरूरी पोषक-तत्व प्रदान करती हैं. आइये, हम लंबे समय तक उन बदलावों को अपनाने का संकल्प लें, जो हमें भीतर से पोषित करें- एक बार में एक मुट्ठी बादाम के साथ.

आलमंड्स पोषक-तत्व

बॉलीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान ने कहा, 'अपने कामकाज और परिवार के बीच संतुलन रखने में चुनौती हो सकती है, लेकिन छोटे-छोटे और सावधानी से उठाये गये कदम बड़ा बदलाव ला सकते हैं. मैं ऊर्जा से भरी रहने के लिये नियमित व्यायाम, संतुलित आहार और तनाव को नियंत्रित करने पर ध्यान देती हूं. एक साधारण-सी आदत, जो मुझे लगातार गतिशील रखती है, वह है अपने रोजाना के रुटिन में एक मुट्ठी कैलिफोर्निया आलमंड्स को शामिल करना. बादाम में कुछ ऐसे पोषक-तत्व होते हैं, जो सेट पर घंटों बिताने में मेरी मदद करते हैं. एक मां के तौर पर मैं यह आदतें अपनी बेटी को भी दे रही हूं और सोच-समझकर खाने तथा सक्रिय रहने का महत्व उसे बता रही हूं. इस वर्ल्ड हेल्थ डे पर, आइये हम सेहत को एक प्राथमिकता बनाने का वचन दें,

अप्रैल फूल डेः लाइट्स, कैमरा, प्रैंक...!

NDTV के कलाकारों ने बताए के अपने सबसे मजाकिया पल!

नई दिल्ली. अप्रैल फूल्स डे हंसी-मज़ाक और मस्ती का दिन है. एक अप्रैल को मनाया जाने वाला यह दिन शरारत भरे मज़ाक और हल्के-फुल्के मनोरंजन का मौक़ा होता है. इसी मौक़े पर सोनी सब और एण्ड टीवी के सितारों ने अपने सेट पर किए गए मज़ेदार प्रैंक्स और बैक स्टेज मस्ती के क़िस्से साझा किए.कलाकार अपने सबसे यादगार और मज़ेदार प्रैंक मोमेंट्स भी शेयर कर रहे हैं, जो उन्होंने अपने को-स्टार्स और अपनों के साथ बिताएं. इन पलों ने न केवल हंसी के फव्वारे छोड़े, बल्कि उनके रिश्तों को और भी मज़बूत बना दिया. यह कलाकार हैं- विदिशा श्रीवास्तव (अनीता भाभी, भाबीजी घर पर हैं), तेजस्विनी सिंह (भीमा, भीमा), सोनल पंवार (मलाइका, हप्पू की उलटन पलटन), चिन्मयी साल्वी (सखी, वागले की दुनिया), देशना दुग्गड़-दर्शन गुर्जर (राशि-चिराग, पुष्पा इम्पॉसिबल) इस बार उन्होंने चतुराई से भरी ट्रिक्स और शरारतों से अप्रैल फूल्स डे पर मिले सबसे मज़ेदार अनुभवों को याद किया है, जिन्होंने हर किसी को

लोटपोट कर दिया और सेट पर बीते उन पलों को बेहद ख़ास बना दिया. इन कलाकारों के शानदार परफॉर्मेंसेस देखिये 'भीमा' में रात 8:30 बजे, 'हप्पू की उलटन पलटन' में रात 10:00 बजे और 'भाबीजी घर पर हैं' में रात 10:30 बजे, सोमवार से शुक्रवार केवल NDTV पर!

विदिशा श्रीवास्तव

अप्रैल फूल्स डे मुझे बहुत पसंद है. मुझे मज़ाक के बाद लोगों का चेहरा देखकर बड़ा अच्छा लगता है. मैंने एक साल मेरे पति सायक के साथ कुछ मज़ाक करने का फ़ैसला लिया और वह पल उन्हें आज भी याद है. मैंने शूटिंग के बीच उन्हें कॉल किया और बड़ी गंभीर आवाज़ में कहा कि 'सुनो, आपको घबराना नहीं है, लेकिन मैंने अनीता भाबी की नई कहानी के लिए ग़लती से अपने बालों पर नियॉन पिंक कलर करवाया है, जो अब हट नहीं सकता' उधर से बड़ी देर तक कोई आवाज़ नहीं आई और फिर उन्होंने कहा, 'नियॉन... अब क्या होगा?' हमारी मेकअप टीम की मदद से मैंने उन्हें चमकीले गुलाबी बालों वाली एक फोटोशॉप की हुई सेल्फी भी भेज दी. वह गूगल पर हमारे सेट के आसपास हेयर कलर करेक्शन क्लिनिक्स खोजने लगे.

आख़िरकार मैं ज़ोर से हंसी और धीरे से बोली, 'अप्रैल फूल!' यह सुनकर बेचारे मेरे पति को बड़ी राहत मिली और वह थोड़े नाराज़ भी हो गए थे! लेकिन बाद में उन्होंने माना कि वह बहुत अच्छे तरीक़े से किया गया एक प्रैंक था. इसके बाद से 1 अप्रैल को मैं जब भी उन्हें कॉल करती हूं, तब वह बड़े सावधान हो जाते हैं.

चिन्मयी साल्वी : अप्रैल फूल्स डे अपने अंदर के प्रैंकस्टर को बाहर लाने का परफेक्ट मौक़ा है. 'वागले की दुनिया' के सेट पर हम एक-दूसरे के साथ प्रैंक करना बहुत पसंद करते हैं. एक बार, मैंने परिवा दीदी के साथ मिलकर सुमित सर को यक़ीन दिला दिया कि उनके लिए एक इमोशनल सीन लास्ट मिनट में जोड़ा गया है. उनकी रिहर्सल शुरू होते ही जब उन्हें एहसास हुआ कि हम सिर्फ़ मज़ाक कर रहे थे, तो उनकी प्रतिक्रिया देखने लायक थी! शो की सबसे अच्छी बात यह है कि हम एक वास्तविक परिवार की तरह हैं, ऑन और ऑफ स्क्रीन दोनों पर.

देशना दुग्गड़ : मैं हमेशा सोचती हूं कि मैं एक कदम आगे हूं, लेकिन अप्रैल फूल्स डे पर मैं अतिरिक्त सतर्क रहती हूं. सेट पर कोई भी यह कहे कि शूट कैंसिल हो गया है या लंच टाइम जल्दी हो गया है, तो समझ लीजिए कि यह भी एक प्रैंक हो सकता है. एक बार, मैंने गरिमा के साथ मिलकर अपने डायरेक्टर को यक़ीन दिला दिया कि मैं अपनी लाइन्स पूरी तरह से भूल गई हूं. उनका एक्सप्रेशन देखने लायक था. प्रैंक्स की बात करें तो सेट्स पर हमने ख़ूब मस्ती की है. यह सब मज़ाक था. इसी वजह से पुष्पा इम्पॉसिबल शो में काम करना मज़ेदार हो जाता है, भले ही शूटिंग के दिन बहुत लंबे हो. ईमानदारी से कहूं तो थोड़ी-बहुत मौज-मस्ती न हो तो जीने में क्या ही मज़ा रह जाएगा?

तेजस्विनी सिंह : मेरे भीतर एक शरारती बच्ची छुपी है, जिसे अपने साथी कलाकारों के साथ मज़ाक करना बहुत अच्छा लगता है और यह काम सिर्फ़ अप्रैल फूल्स डे पर नहीं, बल्कि पूरे साल होता है. सबसे बेहतरीन प्रैंक्स में से एक मैंने स्मिता दीदी के साथ किया था,

जो 'भीमा' में मेरी ऑन स्क्रीन मां धनिया बनी हैं. एक दिन मैं उनके आने से पहले मेकअप रूम में छुप गई और मैंने उनके फोन की रिंगटोन को बदलकर बकरे के मिमियाने जैसी तेज आवाज़ वाला कर दिया.

फिर मैंने एक क्रू मेम्बर से उन्हें कॉल करने के लिए कहा और जैसे ही वह एक गंभीर सीन की तैयारी करने के लिए बैठीं, उनका फोन बज उठा.पूरा कमरा ठहाकों से गूंज उठा और स्मिता दीदी घबराकर इधर-उधर देखने लगीं कि बकरे की आवाज़ कहां से आ रही है.

ग्रीन ट्रकिंग की राह पर भारत, टाटा मोटर्स ने संभाली

हरित फ्रेट क्रांति की कमान

नागपुर. देश के 60% से ज्यादा फ्राइट या माल का परिवहन करने वाला ट्रकिंग सेक्टर अब तेजी से बढ़ने की स्थिति में आ गया है. नीति आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2050 तक फ्राइट की मांग चार गुनी होने की उम्मीद है. ट्रकों की संख्या भी, जो वर्ष 2022 में 4 मिलियन थी, वह बढ़कर 17 मिलियन हो जाएगी. यह तरक्की आर्थिक प्रगति के लिये महत्वपूर्ण है, लेकिन यह बढ़ते उत्सर्जन की चिंता भी दे रही है, क्योंकि भारत में परिवहन के कारण होने वाले कार्बन के उत्सर्जन का लगभग एक तिहाई ट्रकों से आता है.

इस तेजी से बढ़ती मांग को देखते हुए, फ्रेट के लिए स्थायी समाधानों की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक हो गई है. उत्सर्जन में भारी योगदान के चलते, इस क्षेत्र का डीकार्बनाइजेशन अब न केवल पर्यावरण बल्कि व्यवसायिक दृष्टिकोण से भी प्राथमिकता बन गया है.

टाटा मोटर्स इस बदलाव का नेतृत्व एक बहु-ईंधन रणनीति के साथ कर रही है, जिसमें बैटरी-इलेक्ट्रिक, एलएनजी और हाइड्रोजन से चलने वाले ट्रकों का संयोजन शामिल है. कंपनी इन विकल्पों के ज़रिये विभिन्न परिचालन आवश्यकताओं को पूरा कर रही है. टाटा मोटर्स में ट्रक कारोबार के वाइस प्रेसिडेंट और बिजनेस हेड राजेश कौल के अनुसार, ₹ट्रकिंग के लिए एक ही समाधान सभी पर लागू नहीं हो सकता. जहाँ बैटरी-इलेक्ट्रिक ट्रक कम दूरी के लिए उपयुक्त हैं, वहीं लंबी दूरी के फ्रेट ऑपरेशन के लिए सीएनजी, एलएनजी और हाइड्रोजन बेहतर विकल्प प्रदान करते हैं. हाइड्रोजन-पावर्ड ट्रकिंग हमारा दीर्घकालिक लक्ष्य है, लेकिन फिलहाल प्राकृतिक गैस और हाइड्रोजन आंतरिक दहन इंजन (H2-ICE) जैसी तकनीकों से यह बदलाव आगे बढ़ेगा.₹

ग्रीन ट्रकिंग को मुख्यधारा में लाने के लिए, मजबूत अवसंरचना बेहद आवश्यक है. फ्लीट ऑपरेटरों को विश्वसनीय रिफ्यूलिंग और रिचार्जिंग नेटवर्क की जरूरत है ताकि परिवर्तन सहज और टिकाऊ हो सके. बीते दशक में, भारत में सीएनजी स्टेशन 2014 में 900 से बढ़कर 2022 में 4,500 हो चुके हैं और 2030 तक इसे 17,500 तक ले जाने की योजना है. इसी तरह, इलेक्ट्रिक चार्जिंग और हाइड्रोजन रिफ्यूलिंग की सुविधाओं का विस्तार भी ग्रीन ट्रकिंग की गति को तेज करेगा.उच्च उपयोग वाले कॉरिडोर्स, डिपो-आधारित चार्जिंग और ग्रीन फ्रेट कॉरिडोर्स में रणनीतिक निवेश को व्यापक अपनाने के लिए आवश्यक बताया गया है. इसके साथ ही, ईवी बैटरियों, फ्यूल सेल्स और हाइड्रोजन स्टोरेज सिस्टम्स के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना लागत को कम करने और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने के लिए जरूरी है.

..तो टीचर से यह 8 सवाल जरूर पूछें

पता चलेगा पढ़ने में कैसा है बच्चा

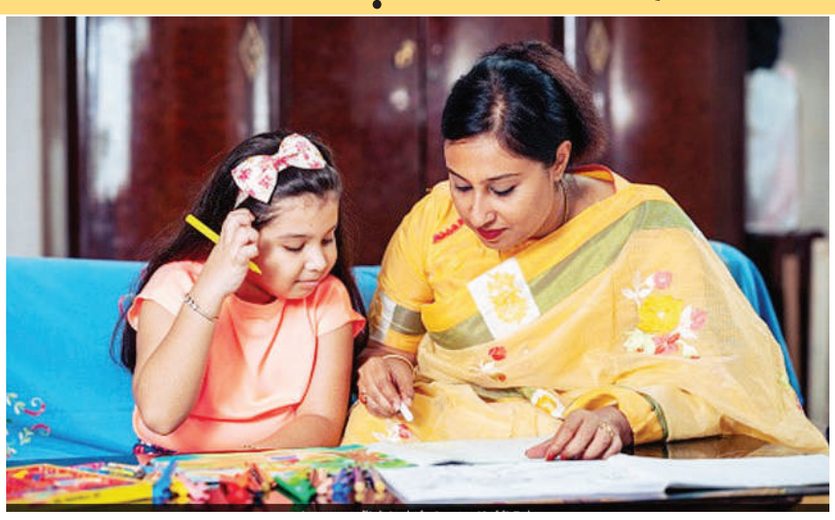

पेरेंट्स को अपने बच्चों का खास ध्यान रखना जरुरी होता है. अगर उन्हें पढ़ाई पर फोकस न करवाया जाए तो बच्चे बिगड़ जाते हैं. स्कूल में बच्चा कैसा कर रहा है यह जानने के लिए पेरेंट्स टीचर्स मीटिंग (PTM) होती रहती है. जिसमें टीचर्स बच्चों को उनके हाल के बारे में बताते रहते हैं. पीटीएम को हल्के में नहीं लेना चाहिए. पेरेंट्स को हमेशा इस मीटिंग में जाना चाहिए ताकि उन्हें अपने बच्चे की शैतानी और पढ़ाई दोनों के बारे में पता चल जाए. कई बार ऐसा होता है कि पेरेंट्स टीचर की सिर्फ बात सुनकर चले जाते हैं उन्हें पता ही नहीं होता है कि टीचर्स से बच्चों को लेकर क्या सवाल पूछने हैं. या पूछते हैं तो 1-2 सवाल और उसके बाद घर वापस आ जाते हैं. घर आने के बाद याद आता है कि टीचर से यह पूछना चाहिए था. पर अब आपको परेशान होने की जरुरत नहीं है. हम आपको कुछ सवाल (Important Question) बताते हैं जो आपको पीटीएम में टीचर्स ने जरुर पूछने चाहिए. इससे आपको पता चल जाएगा आपका बच्चा पढ़ाई में कैसा है और कितनी शैतानी स्कूल में करता है. हर माता-पिता चाहते हैं कि उन्हें अपने बच्चे की परफॉर्मेंस के बारे में पता चलता रहे. ऐसे में एक पैरेंट्स टीचर मीटिंग ही है जहां आप अपने बच्चे के बारे में सही से जान सकते हैं.

यह हैं कुछ जरुरी सवाल

- मेरा बच्चा स्कूल में एक्टिवली पार्टिसिपेट करता है और क्लास में अपना ध्यान लगाता है?
- मेरा बच्चा किस सब्जेक्ट में स्ट्रॉग है और किस सब्जेक्ट में उसे अभी मेहनत करने की जरुरत है.
- मेरा बच्चा स्कूल में कैसा बिहेवियरल करता है और बाकी बच्चों के साथ फ्रेंडली रहता है या नहीं.
- बच्चे को किसी एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटी में इंटरेस्ट है. वह किसमें पार्ट लेने के लिए सबसे आगे रहता है.
- क्लास में वह अपनी चीजों का ध्यान रखता है या डेस्क पर ऐसे ही उसकी चीजें पड़ी रहती हैं.

6- बच्चा अगर पढ़ाई में वीक है तो उसके लिए अलग से ट्यूशन लगवाने की जरुरत है?

- बच्चा क्लास में कुछ ऐसा तो नहीं करता जिसके बारे में हमे पता न हो और हमें उस बारे में जानने की जरुरत हो.
- बच्चे की ग्रोथ के लिए हम उसकी किस तरह से हेल्प कर सकते हैं.

इस तरह के सवाल पूछकर आपको बच्चे के बारे में काफी चीजें पता चल जाएंगी. जो आप घर में उसके बारे में नोटिस करते हैं क्या वह स्कूल में भी वैसा करता है. जब दोनों चीजें एक-सी होंगी तो आपको आइडिया लग जाएगा कि उसे किस तरह से संभालना है और उसे ठीक करना है. क्योंकि बच्चे का बिहेवियर जितना अच्छा होगा उसके लिए आगे चलकर उतना ही बेहतर होगा. इसके अलावा बच्चों को आपको घर में कुछ चीजें सिखानी चाहिए जिससे वो स्कूल में फ्रेंडली रहें. सबसे पहले बच्चों को घर में अनुशासन सिखाएं. ये बच्चों के लिए बहुत जरुरी होता है. बच्चों की सही परवरिश के लिए उन्हें अनुशासन में रहना जरुर सिखाना चाहिए. जब बच्चा अपने काम खुद करेगा तो उसे समझ आएगा कि कैसे चीजें होती हैं.

बच्चों को डांटे नहीं

बहुत बार ऐसा होता है कि पीटीएम में जब बच्चे की शिकायत मिलती है तो पेरेंट्स घर आकर उसे खूब डांटते हैं और कई बार तो टीचर्स के सामने भी डांट पड़ जाती है तो बच्चे को अपमानित महसूस होता है. ऐसे में उसके दिमाग पर गलत असर पड़ता है. इस वजह से हमेशा बच्चे को टीचर्स के सामने कुछ न कहें.

बच्चों का बढ़ाएं ब्रेन पावर

फोकस होगा अच्छा और नाम करेगा रोशन

अगर आपको अपने बच्चे की याददाश्त कमजोर महसूस होती है, तो इसका यह कतई मतलब नहीं है कि उनका ब्रेन सामान्य रूप से काम नहीं कर रहा है, बल्कि यह इस बात का संकेत हो सकता है कि उनके दिमाग को ज्यादा ध्यान और अभ्यास की जरूरत है. बच्चों की ब्रेन पावर और मेमोरी बढ़ाने के लिए गेम एक बेहतरीन तरीका हो सकता है. खेल उनको मौज मस्ती के साथ सोचने और समझने की क्षमता को बेहतर बनाने का काम करते हैं. यहां 4 मेमोरी गेम्स दिए जा रहे हैं, जिन्हें बच्चों को खिलाकर उनकी ब्रेन पावर बढ़ाई जा सकती है.

मेमोरी कार्ड गेम

कुछ कार्ड्स पर चित्र या शब्द लिखें और उन्हें उल्टा रख दें. अब आप अपने बच्चे को एक-एक कार्ड उठाने के लिए कहें और उन्हें मैच करने की कोशिश करने को कहें. यह एक बेहतरीन मेमोरी एक्सर-साइज है.

सीक्वेंस रिवर्स गेम

बच्चों को कुछ वस्तुओं का चित्र अलग-अलग बनाकर दें, जैसे- किताब, पेंसिल, और बैग. फिर, बच्चों से कहें कि वह इन वस्तुओं को याद करें और बाद में उल्टा क्रम में बताएं या लगाकर दिखाएं. यह खेल बच्चों का फोकस और मेमोरी को शार्प करता है क्योंकि इसमें चीजों का सीक्वेंस याद रखना और उल्टा बताना होता है, जिससे उनके ब्रेन एक्सरसाइज अच्छी हो जाती है.

पजल टाइल्स

बच्चों को सही पजल के टुकड़ों को एक साथ जोड़ने के लिए कहें. इससे उनका ध्यान और याददाश्त तेज होती है क्योंकि उन्हें सही टुकड़े ढूंढने और उन्हें जोड़ने में समय लगता है. इस गेम से बच्चे की सोचने, समझने की क्षमता, तर्क और मेमोरी बढ़ती है.

आई स्पाई विद माई आई

इस गेम में आप बच्चे को किसी चीज को ढूंढकर उसका नाम बताने के लिए कहें. फिर, वे उस वस्तु को खोजकर उसका नाम बताएंगे. यह खेल बच्चों के मेमोरी को तेज करता है और उनकी फोकसिंग एबिलिटी को बढ़ाता है.

बच्चा रहे हमेशा कोंफिडेंट

उसे बोलना सिखाएं यह 5 स्ट्रोंग लाइंस

बहुत से बच्चे कम उम्र से ही कोंफिडेंट होते हैं. उन्हें किसी के सामने कुछ कहने या करके दिखाने में झिझक नहीं होती और ये बच्चे जीवन के हर क्षेत्र में आगे रहते हैं. लेकिन, इस कोंफिडेंस की वजह क्या होती है? इस कोंफिडेंस की वजह होती है बच्चे का खुद पर विश्वास करना. यह विश्वास बच्चों में अपने अंतर्मन में कही बातों से भी आता है तो कई बार माता-पिता की बातें बच्चों को आत्मविश्वासी बनाती हैं. अपने बच्चों को कोंफिडेंट बनाने के लिए आप भी उन्हें ऐसी पॉजीटिव बातें बोलना सिखा सकते हैं जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ने लगे. खुद से ये स्ट्रोंग लाइंस (Strong Lines) बोलकर न सिर्फ बच्चों का कोंफिडेंस बढ़ेगा बल्कि किसी भी मुश्किल घड़ी से निकलने का हौंसला भी उनमें आएगा.

मैं जैसा हूं वैसे ही प्यार के काबिल हूं

बच्चे का सेल्फ कोंफिडेंस बढ़ाने के लिए उसे यह पंक्ति सिखाई जा सकती है. बच्चों को समझाएं कि वे जैसे हैं वैसे ही मूल्यवान हैं और प्यार के काबिल हैं. अपनी सेल्फ वर्थ समझने के लिए उन्हें किसी की वेलिडेशन या रजामंदी की जरूरत नहीं है.

मैं परेशानी का हल ढूंढ सकता हूं

किसी भी मुश्किल से निकलने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी होता है खुद पर विश्वास करना. माता-पिता को अपने बच्चे को यह बोलना जरूर सिखाना चाहिए कि वह किसी भी परेशानी का हल ढूंढ सकता है. जब कोई मुश्किल आए तो बच्चे को खुद से यह जरूर कहना चाहिए कि मैं किसी भी परेशानी का हल ढूंढ सकता हूं. बच्चे का आत्मविश्वास (Confidence) बढ़ने लगेगा.

कम उम्र में स्पोर्ट्स का फायदा?

हाल ही में एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें करीना कपूर के बड़े बेटे तैमूर अली खान क्रिकेट सीखते हुए नजर आ रहे हैं. करीना ने कई साल पहले एक इंटरव्यू में भी कहा था कि वो अपने बेटे को क्रिकेटर बनाना चाहती हैं और अब शायद उन्होंने इसकी शुरुआत कर दी है. तैमूर को क्रिकेट खेलते हुए देख लोगों का कहना है कि सैफ के सभी बच्चों में अलग-अलग टैलेंट है. तैमूर एकेडमी में प्रोफेशनल से क्रिकेट खेल रहे हैं. वो बॉलिंग कर रहे हैं, बैट को पकड़ना सीख रहे हैं और फील्ड में पैर जमाना सीख रहे हैं. बच्चों के विकास में स्पोर्ट्स अहम योगदान देते हैं. पेरेंट्स अपने बच्चों को अलग-अलग स्पोर्ट्स सिखाते हैं. पता नहीं कौन सा खेल बच्चे को जिंदगी में प्रोत्साहित करने का काम कर दे और उसकी जिंदगी का एक अहम हिस्सा बन जाए. यहां हम आपको बता रहे हैं बच्चों को कम उम्र से ही स्पोर्ट्स खेलना शुरू करवाने के फायदों के बारे में.

फिजिकली फिट रहते हैं

रोज कोई फिजिकल एक्टिविटी करने से बच्चों की हड्डियां और मांसपेशियां मजबूत होती हैं, कार्डियोवस्कुलर हेल्थ ठीक रहती है और उनका वजन संतुलित रहता है. स्पोर्ट्स में हिस्सा लेकर बच्चों को मोटापे का शिकार होने और इससे संबंधित कई स्वास्थ्य समस्याओं से बचाया जा सकता है. इसलिए करीना कपूर की तरह हर मां-बाप को अपने बच्चे को कम उम्र से ही स्पोर्ट्स खेलने के लिए भेजना चाहिए.

मेंटल हेल्थ रहती है अच्छी

बच्चों के लिए स्पोर्ट्स स्ट्रेस से फ्री रहने का एक तरीका है. बच्चों को भी अपनी जिंदगी में तनाव और चिंता होती है और स्पोर्ट्स इसी चिंता को दूर करने का काम करता है. फिजिकल एक्टिविटी करने पर एंडोर्फिन रिलीज होते हैं जिससे मूड बेहतर रहता है और एंग्जायटी एवं डिप्रेशन के लक्षण कम होते हैं. अपने बच्चे को मेंटली फिट रखने के लिए आप स्पोर्ट्स का सहारा ले सकते हैं.

बच्चा कहता है आप हैं सख्त पैरेंट्स

साइकोलॉजिस्ट ने बताया क्या हैं कारण

बचपन से ही बच्चों को जो माहौल मिलता है या बच्चों के साथ जिस तरह से माता-पिता बर्ताव करते हैं बच्चे पैरेंट्स की वैसी ही छवि अपने मन में बनाने लगते हैं. कई बार पैरेंट्स को यह तक लगने लगता है कि वे इतने सख्त नहीं हैं जितना बच्चे उनको समझ लेते हैं. खासकर टीनेजर बच्चे पैरेंट्स को बॉसी समझने लगते हैं. ऐसा इसलिए क्योंकि माता-पिता की चिंता बच्चों की सुरक्षा को लेकर उनकी उम्र के साथ-साथ बढ़ती जाती है और उनका व्यवहार भी बदलता है. ऐसे में यहां जानिए साइकोलॉजिस्ट (Psychologist) का इसपर क्या कहना है. यूनाइटेड स्टेट्स में की गई स्टडी में साइकोलॉजिस्ट ने बताया क्यों बच्चों को पैरेंट्स उतने बॉसी लगते हैं जितने वे होते भी नहीं हैं.

पैरेंट्स को सख्त क्यों समझते हैं बच्चे

पैरेंट्स को सख्त समझने के बच्चों के पास कई तरह के कारण हो सकते हैं. देखा जाए तो बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पैरेंट्स (Parents) के पास तरह-तरह की स्ट्रेटजी होती हैं. वे बच्चों को अनुशासन सिखाने के लिए कई बार बच्चों को ग्राउंडेड भी कर देते हैं यानी कि उनका बाहर-आना जाना कुछ दिनों के लिए बंद हो जाता है. लेकिन, बच्चे यह समझ नहीं पाते कि माता-पिता ऐसा बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए ही करते हैं. पैरेंट्स के सख्ती अपनाने की एक वजह यह भी हो सकती है कि पैरेंट्स खुद यही गलतियां कर चुके हैं और नहीं चाहते कि बच्चे भी ये गलतियां दोहराएं. साइकोलॉजिस्ट का कहना है कि बच्चों का दिमाग लगातार ग्रो करता रहता है, विकसित होता रहता है. यह दिमाग का सबकोरिटकल रीजन होता है जिससे गुस्सा, एंजाइटी और डिफेंसिवनेस जैसे इमोशंस जुड़े हैं. ऐसे में बच्चे जैसे-जैसे बड़े होते जाते हैं वैसे-वैसे उनमें डिफेंस आने लगता है जिसमें वे देर तक बाहर रुकना चाहते हैं, नियम तोड़ना चाहते हैं और यह नहीं चाहते कि पैरेंट्स उन्हें रोकें. ऐसे में बच्चों को यह लगता है कि पैरेंट्स उनपर रोक-टोक लगाते हैं और उन्हें मनमर्जी करने से रोकते हैं. लेकिन, यह पैरेंट्स की चिंता और फिक्र है जिसे बच्चे नहीं समझ पाते. बच्चों को लगता है कि पैरेंट्स सख्ती कर रहे हैं और बॉसी हैं जबकि साइकोलॉजिस्ट का कहना है कि माता-पिता इस तरह की स्थिति को किस तरह हैंडल करना है यह समझ नहीं पाते. ऐसे में वे अपनी पहली प्रतिक्रिया ही जता देते हैं. यानी ना सिर्फ बच्चे बल्कि पैरेंट्स भी स्ट्रगल कर रहे होते हैं. ऐसे में बच्चों को अपने पैरेंट्स को बॉसी समझने या सख्त समझने के बजाय उनके पॉइंट ऑफ व्यू को समझने की कोशिश करनी चाहिए.

रवीना का मामा था सिनेमा का ये विलेन

बॉलीवुड में कुछ फिल्मी परिवारों का जिक्र अक्सर होता है. कई पॉपुलर एक्टर और एक्ट्रेस के परिवार के सदस्य का भी इंडस्ट्री से गहरा नाता रहता है. 70 से 80 के दशक में लीड एक्टर की तरह विलेन के किरदार की भी चर्चा होती थी. आज के समय में बॉबी देओल, अर्जुन कपूर और सैफ अली खान जैसे स्टार्स बड़े पर्दे पर खलनायक का किरदार निभा चुके हैं. आज बात एक ऐसे पॉपुलर विलेन की कर रहे हैं, जो रिश्ते में रवीना टंडन के मामा लगते थे.

बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस रवीना टंडन किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं. एक्ट्रेस की बेटी राशा थडानी ने अमन देवगन के साथ आजाद फिल्म से डेब्यू किया. फिल्म के गाने को बेशुमार प्यार मिला, लेकिन मूवी ओटीटी पर हिट साबित नहीं हो पाई. सिनेमा लवर्स जानते होंगे कि रवीना के मामा बड़े पर्दे पर एक खुंखार विलेन के किरदार की भूमिका निभा चुके हैं. कई बिग स्टारर फिल्म में उनकी एक्टिंग का टैलेंट देखने को मिला है.मैक मोहन का नाम सुनते ही उनके करियर की कुछ हिट फिल्मों का नाम याद आ जाता है. अभिनेता का जन्म 1938 में कराची (तब भारत का हिस्सा) में हुआ था. उनका असली नाम मोहन मखीजानी था, लेकिन दोस्तों और फिल्मी दुनिया से जुड़े लोग उन्हें प्यार से मैक मोहन के नाम से बुलाते थे. उनके बारे में कहा जाता है कि उन्हें क्रिकेट का शौक था और इस सपने को पूरा करने के लिए वह मुंबई आए थे.मैक मोहन के बारे में बता दें कि मुंबई आने के बाद क्रिकेट के साथ उनकी रुचि थिएटर में भी बढ़ गई थी. एक नाटक के दौरान थिएटर कलाकार शौकत कैफी ने उनके अंदर के टैलेंट को पहचाना और उन्हें एक्टिंग में लक आजमाने की सलाह दी. धीरे-धीरे उन्हें फिल्मों में काम मिलना शुरू हो गया था.बॉलीवुड की सदाबाहर फिल्मों का जिक्र होता है, तो शोले का नाम जरूर लिया जाता है. रमेश सिप्पी की इस मूवी से जुड़े कुछ रोचक किस्से भी अक्सर सुनने को मिलते हैं. मैक मोहन इस फिल्म में विलेन के किरदार में नजर आए थे. वैसे तो अभिनेता 200 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुके थे, लेकिन उनकी असली पहचान साल 1975 में आई शोले फिल्म बन गई. इसमें उन्होंने सांभा का किरदार निभाया, जो कम डायलॉग होने के बाद भी लोगों के दिलों में बस गया.हिंदी सिनेमा में लगभग पांच दशक तक बेहतरीन काम करने के बाद साल 2010 में कैंसर के कारण मैक मोहन का निधन हो गया. 72 वर्ष की उम्र में उनका निधन हो गया, लेकिन उनकी फिल्मों का जिक्र आज भी सिनेमा लवर्स के बीच चलता है.

छप्परफाड़ होगी टीआरपी

जब एक साथ आएंगी अनुपमा और अभिरा

अनुपमा' और 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' दोनों स्टार प्लस के मशहूर टीवी सीरियल हैं. इन दोनों सीरियल को मशहूर निर्देशक राजन शाही प्रोड्यूस कर रहे हैं. आईपीएल के मौसम में अपने शो की टीआरपी बरकरार रहे, इसलिए राजन शाही ने एक क्रॉसओवर प्लान किया है और इस क्रॉस ओवर के चलते हमें अनुपमा और अभिरा को एक दूसरे के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए देखने वाले हैं.स्टार प्लस के मशहूर टीवी शो 'अनुपमा' और 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' हर हफ्ते टीआरपी चार्ट पर धूम मचाते हैं. फिलहाल दोनों शोज को ऑडियंस का खूब प्यार मिल रहा है. लेकिन आईपीएल के सीजन में अपने टीवी शो की टीआरपी बरकरार रखना, हर प्रोड्यूसर के लिए बहुत बड़ा चैलेंज होता है. हाल ही में 'अनुपमा' और 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' के प्रोड्यूसर राजन शाही ने क्रिकेट के इस पीक सीजन में भी अपने शो की रेटिंग बरकरार रखने के लिए एक नई स्ट्रैटेजी प्लान की है और इस स्ट्रैटेजी के चलते हमें 'अनुपमा' और 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' का क्रॉसओवर यानी महासंगम देखने मिलने वाला है.अनुपमा इंडियन टेलीविज़न की सुपरवूमन है, वो हर मुश्किल बड़ी ही आसानी से खत्म कर देती हैं. ठीक उसी तरह से अब अनुपमा अभिरा की जिंदगी की मुश्किलें भी खत्म करने सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में एंट्री करने वाली हैं.

दरअसल इससे पहले भी रुपाली गांगुली ने बतौर 'अनुपमा' 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में एंट्री की थी. स्टार प्लस पर ऑन एयर हुए इस रक्षा बंधन स्पेशल एपिसोड ने खूब टीआरपी बटोरी थी और इसलिए मेकर्स फिर से एक बार रेटिंग के लिए उनका पुराना फॉर्म्युला अपना रहे हैं.जल्द ही सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में रोहित की मौत होने वाली है. रोहित की मौत के बाद रूही अभिरा और अरमान को उसका बच्चा देने से इंकार करेगी. रूही के इस इनकार से अभिरा और अरमान का सपना टूट जाएगा. इस बीच अनुपमा अभिरा का सहारा बनेंगी. अब अनुपमा, अभिरा की हौसला अफजाई किस तरह से करती हैं, ये देखना दिलचस्प होगा. अनुपमा और अभिरा के एक साथ आने की खबर से शो के फैंस बहुत एक्साइटेड हैं. अब क्या राजन शाही का ये नया एक्सपेरिमेंट दोनों सीरियल के लिए छप्परफाड़ टीआरपी लेकर आता है? ये नहीं ये तो आने वाला वक्त ही बताएगा.

आयशा ने माना अक्षय से था अट्रैक्शन

आयशा जुल्का 90 के दशक की पॉप्युलर एक्ट्रेस हैं. उन्होंने जो जीता वही सिकंदर, खिलाड़ी, वक्त हमारा है जैसी फिल्मों से फेम पाया. आयशा जुल्का का नाम उस वक्त अक्षय कुमार, अरमान कोहली, नाना पाटेकर और मिथुन चक्रवर्ती तक के साथ जुड़ चुका है. अब एक इंटरव्यू के दौरान आयशा जुल्का इन अफवाहों पर बात की है.विकी लालवानी के साथ बातचीत में आयशा जुल्का बोलीं, 'अगर आप उस वक्त के टैब्लॉय* उठाकर देखेंगे तो मेरा नाम सबके साथ जोड़ा गया था. हम सिर्फ दोस्त थे और हमारा रिश्ता मौज-मस्ती का था. जब आप छह-सात फिल्में साथ कर लेते हैं, एक-दूसरे से सेट पर हर तीसरे दिन मिलते हैं, उस उम्र पर ये सब नया होता है. आज भी गर्ल फ्रें* से ज्यादा मेरे बॉय फ्रें* हैं लेकिन ऐसा नहीं है कि उनसे रोमांटिकली जोड़ा जाए. आज के समय में क्या ही छिपाऊंगी हमारी वो उम्र निकल गई?'आयशा ने अक्षय कुमार के साथ लिंकअप रूमर पर भी घुमा-फिराकर जवाब दिया. वह बोलीं, 'अट्रैक्शन हो सकता है, लेकिन ये नॉर्मल है. अगर आप फिजिकल अट्रैक्शन की बात करें तो मुझे नहीं लगता कि ये इसे डिसक्राइब करने का सही तरीका है. हम लोग हमेशा एक-दूसरे को पसंद करते थे. पर मुझे नहीं लगता कि इसे फिजिकल अट्रैक्शन कहना सही होगा.'

जॉनी लीवर को फिल्मो में लाई एक्ट्रेस

बॉलीवुड एक्टर जॉनी लीवर अपनी शानदार एक्टिंग और कॉमिक टाइमिंग से ऑडियंस को करीब चार दशकों से एंटरटेन कर रहे हैं. एक्टर को गोविंदा, सलमान खान, शाहरुख खान समेत कई सुपरस्टार्स के साथ उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में देखा गया है. लेकिन क्या आप जानते हैं फिल्मों में आने से पहले जॉनी लीवर सड़कों पर पैन बेचा करते थे. उन्हें सड़कों से उठाकर फिल्मों तक लाने वाली एक्ट्रेस तबस्सुम गोविल थीं. एक्ट्रेस ने सुनिधि चौहान को भी अपने घर पर रखा था.50 और 60 के दशक की हीरोइन तबस्सुम को आपने फिल्म दीदार, अफसाना, बैजू बावरा, कॉलेज गर्ल जैसी फिल्मों में देखा होगा. इसके अलावा एक्ट्रेस दूरदर्शन पर एक टॉक शो 'फूल खिले हैं गुलशन गुलशन' में नजर आई थीं. ये शो 1972 – 1993 तक दूरदर्शन पर चला था जिसमें सुनील दत्त समेत उस समय के कई बड़े स्टार्स ने इंटरव्यू दिए. तबस्सुम ने अपने यूट्यूब चैनल के एपिसोड औए एव्क इंटरव्यू में जॉनी लीवर को सड़कों से उठाकर एक्टर बनाने की बात कही थी.तबस्सुम ने कहा था, ₹आप जानते हैं? जॉनी लीवर को मैं ढूंढकर लाई थी. जॉनी तो सड़कों पर पैन बेचता था. एक दिन मेरे मैनेजर ने उसको देखा. वो जॉनी को मेरे पास ले आया.

ईद के मौके पर एकता ने सुनाई खुशखबरी

जल्द ही कलर्स टीवी पर नागिन की एंट्री होने वाली है. एकता कपूर ने हाल ही में इस शो से जुड़ा लेटेस्ट अपडेट शेयर किया है. नागिन के इस नए सीजन में कौनसी एक्ट्रेस नागिन का किरदार निभाएंगी, ये जानने के लिए इस शो के फैंस बेहद एक्ससाइटेड हैं.एकता कपूर अपने फैंटसी फिक्शन शो नागिन के सातवें सीजन से टीवी पर कमबैक करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं. ईद के खास मौके पर एकता कपूर ने कलर्स टीवी के इस शो को लेकर महत्वपूर्ण अपडेट दिया है. एकता कपूर के इस अपडेट से शो के फैंस बेहद खुश हैं. एकता कपूर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए कहा है कि नागिन 7 जल्द आ रहा है. इस वीडियो में उनके साथ इस सीरीज में काम करने वाली क्रिएटिव डायरेक्टर्स की टीम नजर आ रही हैं. एकता के इस वीडियो के बाद प्रियंका चाहर और विवियन डीसेना फैंस बहुत खुश हैं, क्योंकि उनका मानना है कि नागिन 7 में विवियन डीसेना और प्रियंका चाहर चौधरी प्रमुख भूमिका में नजर आने वाले हैं.उडारियां" में अपनी भूमिका के लिए जानी जाने वाली प्रतिभाशाली एक्ट्रेस ईशा मालवीय की तरफ से भी हिंट दिया गया है कि वो एकता के 'नागिन 7' का हिस्सा हो सकती हैं. एक इवेंट के रेड कार्पेट पर जब ईशा से 'नागिन' को लेकर सवाल पूछा गया, तब उन्होंने कहा कि, "कुछ भी हो सकता है, आप कभी नहीं जान सकते कि कल आपके साथ क्या होने वाला है." ईशा ने अपनी इस बात से उनके इस सीरियल में होने की खबर को हवा दी है. लेकिन अंदाजा लगाया जा रहा है कि ईशा इस सीरियल में विलेन की भूमिका में नजर आ सकती हैं.सूत्रों से मिली जानकारी की में मुताबिक नागिन के सीजन 7 का ड्राफ्ट एकता कपूर की टीम ने पूरा कर दिया है. इस शो की कास्टिंग भी फाइनल हो गई है. इस महीने सीरियल का पायलट एपिसोड शूट होगा. नागिन का नया सीजन आईपीएल के खत्म होने के बाद ऑन एयर किया जाएगा.लगातार 6 साल दर्शकों का खूब मनोरंजन करने के बाद कलर्स टीवी के इस सीरियल ने लगभग डेढ़ साल का ब्रेक लिया था. मौनी रॉय एकता कपूर की पहली नागिन बनी थीं. मौनी रॉय के बाद सुरभि ज्योति, करिश्मा तन्ना, निया शर्मा, रश्मि देसाई, जैस्मिन भसीन, सुरभि चांदना और तेजस्वी प्रकाश ने ये किरदार निभाया था. तेजस्वी प्रकाश के सीजन में बाद चैनल और एकता कपूर दोनों ने इस सीरीज को कुछ समय के लिए होल्ड पर रखा था.

रणबीर की इस एडवाइस ने बदल दी गोविंदा के बेटे की सोच

गोविंदा के बेटे यशवर्धन भी अब फिल्मों में कदम रखने जा रहे हैं. बॉलीवुड एक्टर के बेटे होने के बाद भी यश पिछले 9 सालों से इंडस्ट्री का हिस्सा बनने की कोशिश में लगे हुए हैं. कई ऑडिशन से गुजरे हैं. इस साल के अंत तक उन्हें एक शानदार लव स्टोरी बेस्ड फिल्म में देखा जाएगा. अपने फिल्मी डेब्यू से पहले यशवर्धन ने एक इंटरव्यू दिया है जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे रणबीर कपूर की एडवाइस ने उनकी मुश्किलें आसान कर दी तोई को दिए इंटरव्यू में यशवर्धन ने कहा, "वो रणबीर कपूर ही थे जिन्होंने मुझे विदेश जाकर फिल्ममेकिंग सीखने के लिए मनाया. उन्होंने कहा कि बॉलीवुड के दायरे से बाहर रहना जरूरी है और उन्होंने मुझे अपनी पसंद-ना-पसंद, अपनी पहचान, पसंद और एक तरह से अपनी आवाज ढूंढने में मदद की है. वो एक बेहतरीन एक्टर होने के अलावा कहानीकार की नजर भी रखते हैं. मैं एक साल के लिए लंदन में एक्टिंग स्कूल भी गया. मैं मुंबई में एक्टिंग वर्कशॉप में भी शामिल हुआ, जो मैं आज भी करता हूं. यह सब कभी न खत्म होने वाला है.

करीना कपूर ने लगातार दी थी ये 10 फ्लॉप फिल्में

डिप्रेशन में आ गई थीं एक्ट्रेस

करीना कपूर के करियर में एक औसा समय भी आया था जब उन्होंने लगातार 9 फ्लॉप फिल्में दी थीं. लगातार फ्लॉप हो रही फिल्मों ने एक्ट्रेस को परेशान कर दिया था. कई फिल्मों में उनकी एक्टिंग का भी मजाक उड़ा था.करीना कपूर के फिल्मी करियर का ऐसा दौर जब लगातार फ्लॉप हो रही थीं एक्ट्रेस की फिल्में. फिल्म 'मैं प्रेम की दीवानी हूं', 'खुशी' जैसी फिल्मों का उड़ा था मजाक.करीना कपूर, रानी मुखर्जी और ऋतिक रोशन स्टारर फिल्म 'मुझसे दोस्ती करोगी' साल 2002 में रिलीज हुई. फिल्म में करीना की परफॉरमेंस ऑडियंस को पसंद नहीं आई. बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म फ्लॉप रही.करीना कपूर और तुषार कपूर की पिछोई फिल्म 'मुझे कुछ कहना है' हिट थी. लेकिन इस फिल्म में दोंन कोई खास कमाल नहीं दिखा पाए और ये भी फिल्म बुरी तरह फ्लॉप रही. हालांकि, फिल्म के कुछ गाने सुपरहिट रहे.करीना कपूर ने अक्षय कुमार के साथ भी साल 2003 में आई फिल्म तलाश में काम किया था. ये फिल्म कब आई और कब गई ऑडियंस को पता नहीं चला. इस मसाला फिल्म को पसंद नहीं किया गया और बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही.फरदीन खान के साथ करीना कपूर की फिल्म खुशी भी फ्लॉप रही थी. इस फिल्म में अमरीश पुरी ने एक्ट्रेस के पिता का किरदार निभाया था. फिल्म में करीना की एक्टिंग और उनके एक्सप्रेशन पसंद नहीं किया गया था.करीना कपूर और ऋतिक रोशन की ये फिलन बुरी एक्टिंग के लिए याद की जाती है. इस फिल्म में करीना की परफॉरमेंस को खराब रिव्यू मिले थे. आज भी सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस की एक्टिंग वाली क्लिप वायरल होती हैं. ये फिल्म बुरी तरह से फ्लॉप रही थी.एक देशभक्ति एक्शन फिल्म लोक् में संजय दत्त, अजय देवगन, नागार्जुन और सैफ अली खान जैसे एक्टर थे. करीना ने भी छोटा किरदार निभाया था. हालांकि, इस फिल्म के फ्लॉप होने से उनके करियर ग्राफ कर फर्क पड़ा था.

जब करण जौहर ने खोली थी फराह खान की पोल

करण जौहर के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'कुछ कुछ होता है' फिल्ममेकर के लिए हमेशा खास रहेगी. इस फिल्म में उन्होंने अपने सबसे करीबी दोस्तों को कास्ट किया था. काजोल और शाहरुख खान की जोड़ी हिट रही थी. सलमान खान ने बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का फिल्मफेयर अवार्ड जीता था. इसी फिल्म के गाने की कोरियोग्राफी की थी फराह खान. लेकिन क्या आप जानते हैं फराह खान बैकग्राउंड डांसर के कपड़े पहन कर एक पार्टी में पहुंच गई थीं. इस बारे में खुद करण ने एक टीवी शो पर बात की थी.दरअसल, कुछ समय पहले साजिद खान और रितेश देशमुख ने एक टॉक शो शुरू किया था. इस शो पर फराह खान और करण जौहर पहुंचे थे. इस दौरान करण ने बताया कि उनकी फिल्म 'कुछ कुछ होता' है के गाने 'सजन जी घर आए' को फराह कोरियोग्राफ कर रही थीं. ऐसे एक दिन वो बैकग्राउंड डांसर की ड्रेस पहन कर किसी शादी में चली गई. फराह बताती है गाने में एक लड़की ने लेमन कलर का लहंगा स्टाइल ड्रेस पहना था. उनके पास शादी में जाने के लिए उस समय कुछ था नहीं तो वो बैकग्राउंड डांसर के ही कपड़े पहनकर चली है. ये सुनते ही साजिद और रितेश अपनी हंसी नहीं रोक पाए.बता दें, करण और फराह अपने करियर की शुरुआत से पहले एक दूसरे के दोस्त हैं. दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया है. फराह ने करण की फिल्मों के अधिकतर एक्टर्स को अपने इशारे पर नचाया है. दोनों का बांड इनके सोशल मीडिया पोस्ट में भी नजर आता है. फराह ने करण जौहर के घर जाकर उनके साथ अपने यूट्यूब चैनल के लिए कुकिंग वीडियो भी बनाया था.

लखनऊ की हार बर्दाश्त नहीं कर पा रहे संजीव गोयनका

ऋषभ पंत के साथ किया 'केएल राहुल' जैसा बर्ताव

लखनऊ. आईपीएल 2025 के 13वें मैच में पंजाब किंग्स ने लखनऊ सुपरजायंट्स को 8 विकेट से हरा दिया. लखनऊ को टूर्नामेंट में एक और हार नसीब हुई. मैच में लखनऊ की हर के बाद टीम के मालिक संजीव गोयनका एक बार फिर मैदान पर पहुंचे और इस बार उन्होंने बिल्कुल वैसा ही काम किया जैसे उन्होंने पिछले साल केएल राहुल के साथ किया था. मैदान पर पहुंचकर Sanjiv Goenka, ऋषभ पंत के साथ गंभीर बातचीत करते हुए नजर आए और साथ ही टीम के मालिक टीम के सबसे महंगे खिलाड़ी की ओर उंगली करके कुछ बात करते हुए भी नजर आए हैं जिसके बाद फैन्स सोशल मीडिया पर इस बात को लेकर रिएक्ट करते नजर आए.

बता दें कि आईपीएल मेगा ऑक्शन में लखनऊ सुपरजायंट्स ने पंत को 27 करोड़ में खरीदकर अपनी टीम में शामिल किया था. लेकिन अबतक तीनों मैच में पंत बल्ले से फ्लॉप रहे हैं. ऐसे में अब जब तीसरे मैच में लखनऊ को हार मिली

तो संजीव गोयनका बर्दाश्त नहीं कर पाए और मैदान पर आकर खिलाड़ियों को समझाने लगे. सोशल मीडिया पर पंत और संजीव गोयनका की बातचीत की तस्वीर खूब वायरल हो रही है.

दरअसल, गोयनका ने अपनी टीम के कप्तानों से सवाल पूछने की छवि बना रखी है. इससे पहले वो केएल राहुल से भी मैदान पर इसी तरह से बातचीत करते हुए देखे गए थे जिसने फैन्स के बीच खूब बवाल मचा दिया था. अब पंत और उनकी बीच की बातचीत कोलेकर फैन्स तरह-तरह की बातें कर रहे हैं. मैच की बात करें तो लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब के सामने 172 रनों का लक्ष्य रखा था, जिसे पंजाब ने 16.2 ओवर में दो विकेट खोकर हासिल कर लिया. पंजाब को 172 रन का लक्ष्य मिला और यह लक्ष्य उसने 16.2 ओवर में दो विकेट पर 177 रन बनाकर हासिल करने में सफल रही. पंजाब के लिए कप्तान श्रेयस अय्यर ने शानदार बल्लेबाजी की, उन्होंने 30 गेंदों पर नाबाद 52 रन बनाए, जिसमें चार छक्के और तीन चौके शामिल थे. अय्यर की पारी ने पंजाब को लक्ष्य के करीब पहुं .चाया. इस दौरान नेहल वढेरा ने नाबाद 43 रन बनाए और प्रभसिमरन सिंह ने 69 रन की विस्फोटक पारी खेली.

मुंबई छोड़ अब गोवा के लिए खेलेंगे यशस्वी

तीसरे खिलाड़ी : अर्जुन तेंदुलकर और सिद्धेश लाड के बाद मुंबई को छोड़कर गोवा जाने वाले यशस्वी तीसरे क्रिकेटर हैं. तेंदुलकर और लाड 2022-23 सत्र में गोवा चले गए थे. लाड हालांकि पिछले सत्र में मुंबई के लिए लौटे हैं. यशस्वी ने जुलाई 2023 में भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था. वह अब तक 19 मैचों में 52 से अधिक की औसत से रन बना चुके हैं.

मुंबई. भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने निजी कारणों से अपनी घरेलू टीम मुंबई को छोड़ने का फैसला किया है. उन्होंने मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) को मंगलवार को लिखे पत्र में कहा कि वह मुंबई छोड़कर गोवा के लिए खेलना चाहते हैं. एमसीए ने उनका अनुरोध मान लिया. वह 2025-26 सत्र में गोवा के लिए खेलेंगे. एमसीए के एक अधिकारी ने बताया, यह हैरानी की बात है. उसने कुछ सोचकर ही यह कदम उठाया होगा. उनसे हमने कहा कि उसे रिलीज कर दिया जाए और हमने उसका अनुरोध मान लिया. यशस्वी ने मुंबई के लिए आखिरी मैच 23 से 25 जनवरी के बीच रणजी में जम्मू-कश्मीर के खिलाफ खेला था. उन्होंने चार और 26 रन बनाए जबकि मुंबई को टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार जम्मू-कश्मीर ने पांच विकेट से हराया. गोवा क्रिकेट संघ के सचिव शंबा देसाई ने कहा, वह हमारे लिए खेलना चाहता है और हम उसका स्वागत करते हैं. वह अगले सत्र से हमारे लिए खेलेगा. भारतीय टीम के लिए नहीं खेलने के समय यशस्वी गोवा की कप्तानी भी कर सकते हैं. इस बारे में देसाई ने कहा, हां, ऐसा हो सकता है. वह भारतीय क्रिकेट टीम के लिए खेलता है और वह हमारा कप्तान हो सकता है. उसकी उपलब्धता को देखते हम बात करेंगे.

न्यूजीलैंड ने अपने नाम की वनडे सीरीज

दूसरा वनडे 84 रन से पाकिस्तान की हार

हैमिल्टन. न्यूजीलैंड ने दूसरे वनडे में पाकिस्तान को 84 रन से हरा दिया. इसी के साथ कीवी टीम ने तीन मैचों की वनडे सीरीज भी जीत ली. टीम सीरीज में 2-0 से आगे है.

हैमिल्टन में बुधवार को खेले गए मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया. न्यूजीलैंड ने 50 ओवर में 8 विकेट पर 292 रन बनाए. 293 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी पाक टीम 41.2 ओवर में 208 रन पर ऑलआउट हो गई.

न्यूजीलैंड के मिचेल हे ने नाबाद 99 रन बनाए. उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला 5 अप्रैल को माउंट माउंगानुई में खेला जाएगा.

मिचेल हे ने 4 कैच भी पकड़े

न्यूजीलैंड के लिए 7वें नंबर पर बैटिंग करने उतरे मिचेल हे ने 78 बॉल पर नाबाद 99 रन बनाए. उनके अलावा मुहम्मद अब्बास ने 41, निक केली ने 31 और हेनरी निकोल्स ने 22 रन बनाए. मिचेल ने 4 कैच भी पकड़े. पाकिस्तान के लिए मोहम्मद वसीम और सुफियान मुकीम ने 2-2 विकेट लिए. फहीम अशरफ, अकिफ जावेद और हारिस रऊफ को 1-1 विकेट मिला.

न्यूजीलैंड ने पहला वनडे 73 रन से जीता था

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को पहले वनडे में 73 रन से हराया था. 3 मैचों वाली वनडे सीरीज का पहला मुकाबला शनिवार को न्यूजीलैंड के नापियर में खेला गया. इस मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर फिल्डिंग चुनी. कीवी टीम ने 9 विकेट के नुकसान पर 344 रन बनाए थे. 345 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम 44.1 ओवर में 271 रनों पर सिमट गई.

सियर्स ने 5 विकेट झटके

293 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम के लिए फहीम अशरफ और नसीम शाह ने अर्धशतक लगाए. फहीम ने 80 बॉल पर 73 और नसीम ने 44 बॉल पर 51 रन की पारी खेली. लेकिन, दोनों खिलाड़ी अपनी टीम को जीत दिलाने में नाकाम रहें. न्यूजीलैंड के लिए बेन सियर्स ने 5 और जैकब डफी ने 3 विकेट झटके. नाथन स्मिथ और विल ओरूर्क को 1-1 विकेट मिला.

एल-क्लासिको मुकाबले के लिए दोनों टीमों का ऐलान

6 अप्रैल को मुंबई में खेला जाएगा मैच

पुयोल बार्सिलोना और फिगो रियल मैड्रिड की कप्तानी करेंगे

मुंबई. बार्सिलोना और रियल मैड्रिड लीजेंड्स के बीच मुंबई में 6 अप्रैल को खेले जाने वाले मुकाबले के लिए दोनों टीमों के स्क्वॉड का ऐलान हो गया है. यह पहली बार होगा जब रियल मैड्रिड और बार्सिलोना दोनों के पूर्व खिलाड़ी भारत में एल-क्लासिको मैच में खेलेंगे. कार्ल्स पुयोल बार्सिलोना लीजेंड्स की कप्तानी करेंगे, जबकि लुइस फिगो को रियल मैड्रिड लीजेंड्स का कप्तान बनाया गया है.

6 अप्रैल को 55,000 दर्शकों की क्षमता वाले डीवाई पाटिल स्टेडियम में दो स्पेनिश क्लब के बीच होने वाला फैंडली मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:00 बजे शुरू होगा.

दोनों टीमें रियल मैड्रिड लीजेंड्स

लुइस फिगो (कप्तान), पेड्रो कॉन्ट्रेरास, किको कैसिला, फ्रांसिस्को पावोन, फर्नांडो सानज, अगस्टिन गार्सिया, पेड्रो मुनिटिस, रूबेन डे ला रेड, एंटोनियो 'टोनी' डेल मोरल सेगुरा, जॉर्ज जोको ओस्टिज, इवान पेरेज, जीजस एनरिक वेलास्को मुनोज, जोस लुइस कैबरेरा, जुआन जोस ओलाल्ला फर्नांडीज, डेविड बराल टोरेस, क्रिश्चियन करेम्ब्यू, फर्नांडो मोरिएंटेस, पेपे, माइकल ओवेन

बार्सिलोना लीजेंड्स

कार्ल्स पुयोल (कप्तान), जीसस एंजॉय, विटोर बाया, जोफ्रे माटेउ, फर्नांडो नवारो, रॉबर्टो ट्रैशोरस, जेवियर सविओला, फिलिप कोकू, फ्रैंक डी बोअर, जियोवानी सिल्वा, रिवाल्डो, मार्क वैलिएंटे हर्नांडेज, लुडोविक गिउली, रिकार्डो क्वारेस्मा, गैज्का मेंडिएटा, सर्जी बारजुआन, जावी, जोस एडमिलसन गोम्स डी मोरेस, पैट्रिक क्लुइवर्ट.

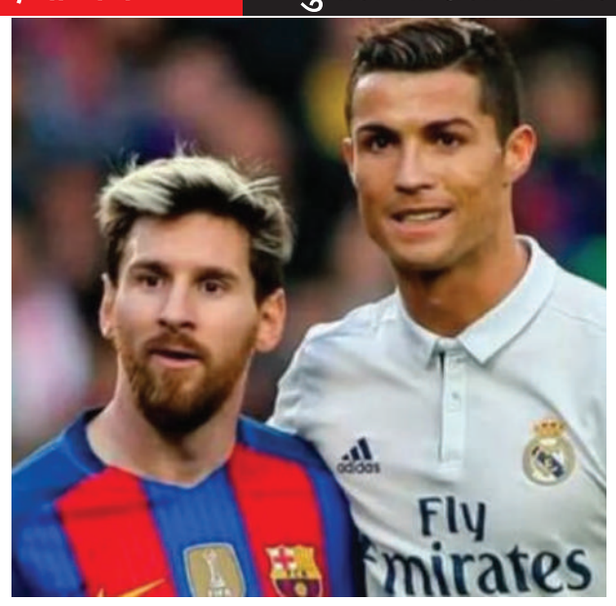

एल-क्लासिको क्या है?

एल-क्लासिको फुटबॉल जगत के सबसे बड़े और रोमांचक मुकाबलों में से एक है. यह स्पेन की दो सबसे प्रसिद्ध और सफल क्लब टीमों एफसी बार्सिलोना और रियल मैड्रिड के बीच होने वाले मैच को कहा जाता है. पहला आधिकारिक एल क्लासिको 13 मई 1902 को खेला गया था, जब कोपा डेल रे टूर्नामेंट में बार्सिलोना और रियल मैड्रिड आमने-सामने आए थे. बार्सिलोना के पूर्व खिलाड़ी दूसरी बार भारत में खेलेंगे हालाकि, बार्सिलोना के दिग्गज दूसरी बार भारत में खेलेंगे. इससे पहले, सितंबर 2018 में भारत का दौरा कर चुके हैं, जब उनका सामना कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में भारतीय फुटबॉल दिग्गज मोहन बागान से हुआ था.

इन खिलाड़ियों पर रहेगी नजर

पुर्तगाल के दिग्गज लुइस फिगो अपने शानदार करियर के दौरान बार्सिलोना और रियल मैड्रिड दोनों के लिए खेले. उन्होंने बार्सिलोना और रियल मैड्रिड दोनों के साथ दो-दो ला लीगा खिताब जीते. फिगो ने 2001-02 सीजन में रियल मैड्रिड के साथ UEFA चैंपियंस लीग का खिताब भी जीता.

पूर्व स्पेनिश फॉरवर्ड फर्नांडो मोरिएंटेस ने रियल मैड्रिड के साथ दो ला लीगा खिताब और तीन UEFA चैंपियंस लीग खिताब जीते हैं. ब्राजील के आइकन और 2002 के वर्ल्ड कप विजेता रिवाल्डो ने बार्सिलोना के साथ दो बार ला लीगा का खिताब जीता है.

मुंबई इंडियंस को झटका देने वाली खबर!

फिट होने के बाद भी नहीं खेलेंगे जसप्रीत बुमराह?

मुंबई. जसप्रीत बुमराह चोट की वजह से मैदान से बाहर चल रहे हैं. उन्होंने आखिरी मुकाबला इस साल जनवरी में खेला था. बुमराह भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद से अभी तक मैदान पर वापसी नहीं कर पाए हैं. इस बीच एक और खबर मिली है. एक रिपोर्ट के मुताबिक बुमराह फिट हो गए हैं. लेकिन वर्कलोड को ध्यान में रखते हुए अभी आईपीएल 2025 मुंबई इंडियंस के लिए नहीं खेलेंगे.

बुमराह की वापसी पर अभी संशय है. टाइम्स ऑफ इंडिया की एक खबर के मुताबिक बुमराह को वापसी के लिए अभी और इंतजार करना होगा. बुमराह बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सिलेंस में हैं और फिटनेस पर काम कर रहे हैं. बुमराह क्लीनिकली रूप से फिट हैं. लेकिन वर्कलोड मैनेजमेंट को ध्यान में रखते हुए अभी मैदान पर नहीं उतर सकेंगे. बुमराह को ऑस्ट्रेलिया के

खिलाफ सिडनी टेस्ट के दौरान पीठ में दिक्कत हुई थी. उनकी पीठ के निचले हिस्से में दर्द था.

मुंबई के लिए अभी क्यों नहीं खेल पाएंगे बुमराह -

आईपीएल 2025 का पहला मैच 22 मार्च को खेला गया था. मुंबई ने पहला मैच चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेला था. उसे इस मैच में हार का सामना करना पड़ा था. बुमराह की बात करें तो वे अभी तक आईपीएल में नहीं खेल पाए हैं. रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई की मेडिकल टीम बुमराह को अभी और वक्त देना चाहती है. वे चाहते हैं कि बुमराह के दोबारा चोटिल होने का खतरा कम से कम रहे. लिहाजा अभी वापसी संभव नहीं है.

मुंबई की आईपीएल 2025 में खराब शुरुआत -

मुंबई इंडियंस की इस सीजन में खराब शुरुआत हुई. टीम ने शुरुआती दो मैचों में हार का सामना किया. मुंबई को पहले सीएसके ने हराया और इसके बाद गुजरात टाइटंस ने हराया. हालांकि टीम ने तीसरे मुकाबले में शानदार वापसी की. उसने कोलकाता नाइट राइडर्स को 8 विकेट से हराया. मुंबई का अगला मैच लखनऊ सुपर जायंट्स से है. यह मुकाबला 4 अप्रैल को खेला जाएगा.

लखनऊ के गेंदबाज दिग्वेश पर 25 प्रतिशत जुर्माना

लखनऊ. लखनऊ सुपर जायंट्स के स्पिनर दिग्वेश सिंह राठी पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना और एक डिमेरिट अंक लगाया गया है. उन्होंने आईपीएल मैच में पंजाब किंग्स के बल्लेबाज प्रियांश आर्य को आउट करने के बाद पत्र लिखने की मुद्रा में जश्न मनाया था. भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने राठी को आईपीएल की आचार संहिता तोड़ने के लिए दंडियत किया. पंजाब ने वह मैच आठ विकेट से जीता. आईपीएल ने कहा, दिग्वेश को धारा 2.5 के तहत लेवल एक के अपराध का दोषी पाया गया. उन्होंने मैच रेफरी द्वारा सुनाई गई सजा स्वीकार कर ली है. लेवल एक के अपराध में मैच रेफरी का फैसला अंतिम और सर्वमान्य होता है.

यह विवादित जश्न उन्होंने तीसरे ओवर की पांचवीं गेंद पर प्रियांश को आउट करने के बाद मनाया. प्रियांश जब पवेलियन लौट रहे थे तब दिल्ली टी-20 लीग के उनके साथी खिलाड़ी दिग्वेश ने उनके पास जाकर हाथ से पत्र लिखने का इशारा किया. अंपायरों ने इस पर उनसे बात की. इसकी तुलना वेस्टइंडीज के केसरिक विलियम्स से भी की गई जो विरोधी बल्लेबाज को आउट करने पर नोटबुक जश्न मनाया करते थे. महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर और मोहम्मद कैफ ने भी कमेंट्री करते हुए दिग्वेश की इस हरकत की आलोचना की थी.

क्रिकेट | पिच क्यूरेटर पर लगा दिए गंभीर आरोप

लखनऊ की हार पर भड़के मेंटॉर जहीर खान

लखनऊ. इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स 3 मैच खेल चुकी है, लेकिन उसे सिर्फ एक में ही जीत हासिल हुई है. मंगलवार एक अप्रैल की रात उसे घरेलू मैदान लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम पर पंजाब किंग्स के हाथों 8 विकेट से करारी हार झेलनी पड़ी. इस हार के बाद ऋषभ पंत की अगुआई वाली लखनऊ सुपर जायंट्स आईपीएल 2025 की अंक तालिका में छठे नंबर पर खिसक गई.

पंजाब ने 22 गेंदें शेष रहते ही हासिल कर लिया लक्ष्य : लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी करते हुए मेजबान लखनऊ सुपर जायंट्स ने 171 रन बनाए. पंजाब किंग्स ने इस लक्ष्य का 8 विकेट और 22 गेंदें शेष रहते हासिल कर लिया. एलएसजी के कप्तान ऋषभ पंत ने मैच के बाद स्वीकार किया कि उन्हें उम्मीद थी कि पिच धीमी होगी, लेकिन लखनऊ सुपर जायंट्स के मेंटर जहीर उनसे भी कहीं आगे निकल गये. जहीर खान ने पंजाब किंग्स के खिलाफ हार का ठीकरा इकाना क्रिकेट स्टेडियम के पिच क्यूरेटर पर फोड़ा. उन्होंने पिच क्यूरेटर पर भड़ास निकालते कहा कि लगता है कि इसे पंजाब के क्यूरेटर ने तैयार किया है. जहीर खान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मुझे यहां थोड़ी निराशा हुई. यह देखते हुए कि यह एक घरेलू खेल है. आईपीएल में आपने देखा है कि टीमें कैसे थोड़ा घरेलू फायदा उठाने की कोशिश करती हैं, उस दृष्टिकोण से आपने देखा है कि क्यूरेटर वास्तव में यह नहीं सोच रहा था कि यह एक घरेलू खेल है. मुझे ऐसा लग रहा था कि यह पंजाब के क्यूरेटर की वजह से हो रहा है.'

जहीर खान ने कहा, '...तो यह कुछ ऐसा है जिसे हम समझेंगे. इस पर बात करनी होगी. यह मेरे लिए भी एक नया सेट-अप है, लेकिन मुझे उम्मीद है कि यह पहला और आखिरी गेम होगा, क्योंकि आप लखनऊ के प्रशंसकों को भी निराश कर रहे हैं. वे यहां पहला घरेलू मैच जीतने की बहुत उम्मीदें लेकर आए हैं. एक टीम के रूप में, हम आश्वस्त हैं. हम स्वीकार करते हैं कि हम मुकाबला हार गए हैं और हमें घरेलू लेग में उस प्रभाव को बनाने के लिए जो कुछ भी करना है, करना होगा.'

मैच दर मैच प्रदर्शन में आएगा और निखार : पोंटिंग

लखनऊ. पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने लखनऊ के खिलाफ जीत में शानदार अर्धशतक जमाने वाले कप्तान श्रेयस अय्यर की तुलना 'तीसरे गियर में रॉल्स रॉयस' की है. उन्होंने जीत के बाद टीम बैठक में कहा,कप्तान ने फिर इसे आसान बना दिया. रॉल्स रॉयस अधिकांश समय तीसरे गियर में ही रही. इससे ज्यादा आक्रामक होने की जरूरत नहीं है. कुछ भी हलके में नहीं लेना है. हमारा रवैया ठीक है और हम बतौर एक परिवार मेहनत करते रहेंगे. मैच दर मैच प्रदर्शन में निखार आएगा. पहले गेंदबाजी करते हुए अर्शदीप ने पहले ओवर में सिर्फ तीन रन दिए. लॉकी फर्ग्युसन ने दूसरे ओवर में चार ही रन दिए. पावरप्ले के दो ओवरों में सात रन देकर एक विकेट चटकाया. पावरप्ले के बाद 35 रन देकर तीन विकेट. सबसे अच्छी बात यह है कि खिलाड़ी चाहे पहला मैच खेल रहे हों या पहली बार मौका मिला हो, उनके योगदान में कमी नहीं है. यह लॉकी का पहला मैच था.

जोकोविच को हरा ने जीता मियामी ओपन

खिताब जीतने वाले सबसे युवा टेनिस खिलाड़ी

नई दिल्ली. चेक रिपब्लिक के टेनिस खिलाड़ी जैकब मेनसिक ने सोमवार को मियामी ओपन टाइटल जीत लिया है. जैकब यह टाइटल जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं. ये 19 साल के जैकब की पहली एटीपी ट्रॉफी भी है. उन्होंने फाइनल में पहली सीड सर्बिया के नोवाक जोकोविच को 7-6 (4), 7-6 (4) से हराया.उन्हें 9.4 करोड़ की इनाम राशि मिली. इससे पहले मेनसिक को पिछले साल अक्टूबर में शंघाई मास्टर्स में तीन सेटों से जोकोविच से हार मिली थी. मेनसिक ने टाइटल जीतने के बाद कहा, जोकोविच के खिलाफ मैं यह मैच बहुत नर्वस होकर खेला था. नोवाक

100 ATP टाइटल चूक गए जोकोविच

37 साल के जोकोविच मास्टर्स 1000 में शामिल मियामी ओपन के फाइनल में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं. अगर वे फाइनल जीत जाते तो यह उनका 100वां प्रोफेशनल एटीपी टाइटल होता. जोकोविच ने अभी तक 99 इंटरनेशनल टाइटल जीते है. वहीं अमेरिका के जिमी कोनर्स (109) और स्विस खिलाड़ी रोजर फेडरर (103) केवल दो ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 100 का आंकड़ा पार किया है.

जोकोविच मियामी ओपन का फाइनल इस बार हार गए हैं. जोकोविच इस टाइटल को 6 बार जीत चुके हैं. जब 2007 में उन्होंने पहली बार ये ट्रॉफी जीती थी तब मेनसिक केवल 2 साल के थे.